ज्ञान विचार

ज्ञान तो सभी में होता है, परन्तु ज्ञानी सभी नही होते हैं।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 नवंबर 2023 वर्ष : 6, अंक : 16 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

ग्लोबल रविदासिया वेल्फेयर आर्गनाइजेशन कर रहा समाज उत्थान के कार्य

शिक्षा, गुरु रविदास अमृतवाणी और जरूरतमंद लोगों का किया जा रहा सहयोग : केशव ढांडा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

जालंधर, ग्लोबल रविदासिया वेल्फेयर आर्गनाइजेशन यूरोप के चेयरमैन केशव ढांडा ने बताया की समस्त रविदासिया समाज के जरूरतमंद लोगों की भलाई के कार्य कर रही है। देश विदेश में स्कूल, कॉलेज सहित सतगुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतवाणी के प्रचार - प्रसार के लिए अमृतवाणी,सुखसागर और पालकी साहिब की सेवा की जा रही है। उन्होंने बताया की इसी कड़ी में ऑर्गेनाइजेशन ने अमर शहीद संत रामानंद जी की शहीदी के बाद कुछ समाज के लोगों की जेल हो गई थी। ग्लोबल रविदासिया वेल्फेयर आर्गनाइजेशन, यूरोप की ओर से ऐसे हर परिवार को 15 हजार रुपए हर माह भेजे जाते हैं।

ढांडा जी ने बताया की श्री गुरु रविदास टैम्पल ब्रेशिया इटली की ओर से 45 हजार रुपए, श्री गुरु रविदास धर्म अस्थान बिसंसा 45 हजार रुपए , श्री गुरु रविदास भवन त्रिविसे इटली 45 हजार रुपए, श्री गुरु रविदास जी मंदिर पारमा पियासेंजा 45 हजार रुपए, श्री गुरु रविदास प्रचार सभा करमोना इटली 45 हजार रुपए दिए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया की यूरोप की संगत की ओर से एक ऐसे बच्चे के इलाज में भी सहयोग किया जा रहा है जो एक असाध बीमारी से ग्रस्त है, उसके इलाज के लिए करीब करोड़ रुपए के खर्च का खर्च होने है। इस बच्चे का नाम रियांस बंगा पुत्र जोगिंद्र राम गांव व डाक खुरला किंगरा, नकोदर रोड , नजदीक गुरु रविदास धाम, फोन नंबर 9779855890 है।

ईन गुरु रविदास संस्थाओं ने भी किया सहयोग

श्री गुरु रविदास टैम्पल विसेंजा इटली, श्री गुरु रविदास टैम्पल ब्रेशिया मेनरवियू इटली, श्री गुरु रविदास धार्मिक अस्थान वेलेसिया स्पेन, जगतगुरु रविदास बेगमपुरा द्वार पसागना अवोईया ग्रीस, श्री मान श्री ओंकार खाटी की ओर से 50 हजार रुपए का सहयोग दिया गया।

सूर्यकांत ने सीबीएसई राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

गजब हरियाणा न्यूज/राजेश

बाबैन । आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरगट जाट्टान के छात्र सूर्यकांत ने पंचकुला में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। सूर्यकांत द्वारा राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड़ मैडल जीतने पर स्कूल के अलावा क्षेत्र में खुशी की लहर है। छात्र सूर्यकांत की इस बड़ी उपलब्धि पर स्कूल में खुशी का माहौल है और स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन कर स्कूल के चेयरमैन सोहनलाल सैनी व प्रिंसीपल रोबिन कुमार ने सूर्यकांत को सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सोहनलाल सैनी ने कहा कि स्कूल के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढकर भाग लेकर शानदार प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि हर वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत आता है और स्कूल के छात्र खेलों में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेकर अनेक मैड़ल जीत चुके है। उन्होंने कहा कि आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरगट जाट्टान के दसवीं कक्षा के छात्र सूर्यकांत ने सीबीएसई राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता-2023 में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत कर विद्यालय के अलावा कुरुक्षेत्र व हरियाणा का नाम पूरे भारत में नाम रोशन किया है। सूर्यकांत की बहादुरी को देखते हुए बधाई देने वाले लोगों तांता लग गया है और लोग सूर्यकांत को बधाई देकर उनको हौसला दे रहे है। बच्चे द्वारा गोल्ड मेडल हासिल करने की हिम्मत को देखते हुए हरियाणा के शिक्षा मंत्री कवंरपाल गुर्जर ने भी छात्र सूर्यकांत व उसके माता-पिता और स्कूल के चेयरमैन सोहन लाल सैनी को इस बड़ी उपलब्धि पर अपनी शुभकामनांए और बधाई दी है। सीबीएसई राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता-2023 का आयोजन हॉलमार्क पब्लिक स्कूल पंचकूला हरियाणा में 7 नवंबर से 10 नवंबर तक हुआ था। जिसमें सूर्यकांत की बड़ी उपलब्धि आदर्श स्कूल के साथ-साथ संपूर्ण जिले और हरियाणा के लिए बहुत गर्व की बात है। स्कूल के प्रधानाचार्य रोबिन कुमार ने स्कूल परिसर में सूर्यकांत को उसकी सफलता के लिए गोल्ड मेडल व शील्ड देकर सम्मानित किया साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए व देश भर में स्कूल का नाम रोशन करने के लिए तथा आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने बच्चों उच्च शिक्षा के साथ-साथ अपने शारीरिक व बौद्धिक विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा खेलों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने अन्य बच्चों को आह्वान किया है कि वे सूर्यकांत की तरह शिक्षा के साथ-साथ खेलों में बढ़-चढकर भाग लेकर अपना, अपने माता पिता व विद्यालय का नाम रोशन करें।

सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा मार्च-2024 के लिए आवेदन की बढ़ाई तिथि

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई जाने वाली सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (नियमित) एवं गुरूकुल/विद्यापीठों (पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक/उत्तर मध्यमा सह वरिष्ठ माध्यमिक) वार्षिक परीक्षा मार्च-2024 के लिए बिना विलम्ब शुल्क ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि को बढ़ाकर 21 नवम्बर, 2023 कर दिया गया है ,पहले अंतिम तिथि 14 नवम्बर निर्धारित की गई थी।

यह जानकारी देते हुए बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (नियमित) एवं गुरूकुल/विद्यापीठों (पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक/उत्तर मध्यमा सह वरिष्ठ माध्यमिक) वार्षिक परीक्षा मार्च-2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (नियमित) एवं गुरूकुल/विद्यापीठों के मुखियाओं को सूचित किया जाता है कि वह बिना विलम्ब शुल्क सहित 21 नवम्बर, 2023 तक आवेदन करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने आगे बताया कि 300 रूपये विलम्ब शुल्क सहित 22 से 28 नवम्बर तथा 1000 रूपये विलम्ब शुल्क सहित 29 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विद्यालयी/गुरूकुल/विद्यापीठ परीक्षार्थी ऑनलाइन पंजीकरण के लिए शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट **www.bseh.org.in** पर दिए गए लिंक पर लॉगिन करें। ऑनलाइन पंजीकरण हेतु दिशा-निर्देश विद्यालय की लॉगिन आई.डी. पर उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करते समय किसी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान हेतु हैल्पलाईन नम्बर 01664-254300 एवं 254309 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

परमात्मा कहीं से आता नहीं है और कहीं जाता नहीं : स्वामी ज्ञाननाथ

परमात्मा जीव नहीं सदाशिव : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकरी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने रुहानी प्रवचनों में कहा कि अखिल ब्रह्मांड में ओत-प्रोत,एक रस मालिकेकुल जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा कोई हाड मांस और हड्डियों का पुतला नहीं बल्कि कण-कण में कायम-दायम सर्वव्यापी शक्ति है। परमात्मा कोई प्राणी नहीं अपितु प्राण लेने और देने वाला प्राणनाथ है। परमात्मा कहीं से आता नहीं है, कहीं जाता नहीं है बल्कि अपने आप में स्थितप्रज्ञ और साक्षी है। हर हाल में और हर काल में एकरस, सनातन, शाश्वत, ज्यों- का- त्यों अडिग-अडोल रहता है और स्वयं सिद्ध है। स्वामी जी ने कहा कि कोरी कपोल कल्पनाओं, मान्यताओं, विरोधाभास और निरर्थक वहस बाजी को छोड़कर अपने शुद्ध, बुद्ध, निरख पारख और विशुद्ध रूप, परमचैतन्य परमतत्व की और उड़ान भरो। परमात्मा जीव नहीं सदाशिव है क्योंकि जीव सीमित है और शिव असीमित है। परमेश्वर सभी लौकिक और अलौकिक आनंद वर्णनात्मक और धनात्मक शब्द का सार है। सार शब्द से ही सब कुछ पैदा होता है इसी में स्थित रहता है और अंतत: जड़ चेतन इसी में समा जाता है लेकिन काल की प्रबल त्रिगुणात्मक माया के आकर्षण, सांसारिक जड़ वस्तुओं की आसक्ति से मुक्ति भी सार शब्द को जानने से ही मिल सकती है। जैसे दूध में मक्खन और मक्खन में घी समाया हुआ है ठीक इसी प्रकार से जीव जगत और ब्रह्म भी सार शब्द में एक रस और एकाकार हैं। महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा की जड़ जगत से चेतन जगत अति सूक्ष्म है जब दृष्टि बाहर होती है तो स्थूल जगत का ज्ञान होता है परंतु जब दिव्य ज्ञान दृष्टि अंतर्मुखी होती है चेतनमय प्रकट होता है और प्रत्यक्ष में अनुभव

एहसास और दर्शन दीदार होता है। सार शब्द से सभी पवित्र आत्माओं में परमेश्वर के प्रेम और ज्ञान की अविरल धारा बहती है। सार शब्द से पवित्र आत्माओं में आत्म बल बढ़ता है और जीव को परम आनंद का अनुभव होता है। महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा कि जिसके पास जो होता है वही बांटता है। भयभीत भय बांटता है, भ्रमित भ्रम बांटता है और ज्ञानवान ज्ञान बांटता है। इसलिए किसी की अपेक्षा ना करो और ना किसी से अपेक्षा करो, स्वाध्याय करो, दंतकथाओं, कल्पनाओं, कट्टरवाद विरोधाभास, वैज्ञानिक पहेलियां, मूढ मान्यताओं में ना उलझो सार शब्द, मूल आधार को जानो, सार शब्द का सहारा लेने वाला आम व्यक्ति भी महान व्यक्तित्व का स्वामी बन जाता है और मोक्ष मुक्ति का अधिकारी हो जाता है। स्वामी जी ने कहा कि परमात्मा के ज्ञान पहचान और ध्यान के बिना साधना आराधना और विवेक के बिना मनुष्य जीवन में भगवत प्राप्ति और प्रभु का प्रत्यक्ष में दर्शन दीदार नहीं हो सकता और हीरा सा जन्म कौड़ियों के भाव लुट जाता है। परमात्मा हमारा अपना ही निज स्वरूप है। इसलिए स्वयं को जानो, पहचानो और स्वयं में स्थित हो जाओ। जितनी कोई चीज नजदीक होती है इंसान उसकी कदर नहीं करता परमात्मा हमारे सबसे नजदीक है परछाई की तरह अंग संग रहता है परंतु ज्ञान और विवेक के बिना मनुष्य इस वास्तविकता से बेखबर है।

25 व 26 नवम्बर को नई वोट बनाने हेतु लगाए जाएंगे स्पेशल कैंप

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धूमसी

करनाल, उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनीश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा 25 व 26 नवम्बर को नई वोट बनाई जाएंगी। नई वोट एवं वोटों के पुर्निरीक्षण का यह कार्य हर बूथ पर स्पेशल कैंप लगाकर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग एवं संबंधित विभागों द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में इस कार्य के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्य 2 व 3 दिसम्बर, 2023 को होना था, लेकिन विभाग के नए आदेशानुसार अब यह नई वोट बनाने का कार्य 25 व 26 नवम्बर, 2023 को किया जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि लोकतंत्र में हम सभी को अपनी वोट का प्रयोग स्वतंत्र रूप् से करने का अधिकार है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जिन युवाओं की अभी तक वोट नहीं बनी है, वे आगामी दिनों में लगने वाले अपने बूथ पर ही स्पेशल कैंप में अपनी वोट बनवाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी बूथों पर बीएलओ की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

प्रकृति से शत्रुता आखिर कब तक

वैज्ञानिकों की मानें तो जल संरक्षण और प्रदूषण पर ध्यान नहीं दिया गया तो 200 सालों में भूजल स्रोत सूख जाएगा। नतीजतन मनुष्य को मौसमी परिवर्तनों मसलन ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षरण, ग्रीन हाउस प्रभाव, भूकंप, भारी वर्षा, बाढ़ और सूखा जैसी आपदाओं से जूझना होगा, लेकिन विडंबना है कि मानव जाति प्रकृति से शत्रुता भरा व्यवहार छोड़ने को तैयार नहीं है।

अलास्का यूनिवर्सिटी के रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर एंडी एश्कवांडेन का खुलासा चिंतित करने वाला है कि कभी बर्फ का अथाह भंडार कहा जाने वाला ग्रीनलैंड अब तेजी से पिघल रहा है और इस सदी के अंत तक यानी अगले करीब 80 साल में यहां के ग्लेशियरों की 4.5 फीसद बर्फ पिघलकर समुद्र में समा जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, अगले तीन हजार साल में ग्रीनलैंड पूरी तरह बर्फ रहित हो जाएगा। गौरतलब है कि ग्रीनलैंड का 81 फीसद हिस्सा बर्फ से ढंका हुआ है और पूरे विश्व का 8 फीसद पीने का पानी यहां पर मौजूद है। याद होगा गत वर्ष पूर्व अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर पत्रिका द्वारा खुलासा किया था कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते एशियाई ग्लेशियरों के सिकुड़ने का खतरा बढ़ गया है और अगर इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई तो सदी के अंत तक एशियाई ग्लेशियर अपने कुल भाग का एक तिहाई खत्म हो जाएंगे।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि अगर वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने में सफलता मिलती है तो फिर पर्वतों से 36 प्रतिशत बर्फ भी कम हो जाएगी। अगर तापमान वृद्धि इससे कहीं अधिक हुई तो फिर कई गुना बर्फ पिघल जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है अगर उस पर समय रहते काबू नहीं पाया गया तो अगली सदी में तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा और पृथ्वी पर जीवन मुश्किल हो जाएगा। आज 48 डिग्री सेल्सियस की स्थिति ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और मानव जीवन असहज महसूस कर रहा है तो फिर 60 डिग्री सेल्सियस की स्थिति में ग्लेशियर कितना बच पाएगा व मानव जीवन कितना सुरक्षित रह पाएगा कहना मुश्किल है।

याद होगा अभी गत वर्ष पहले कैंब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आने वाले एक-दो वर्षों में आर्कटिक समुद्र की बर्फ पूरी तरह समाप्त हो जाएगी और कई समुद्र तटीय शहर डूब जाएंगे। वैज्ञानिकों ने इसका आधार अमेरिका के नेशनल स्नो एंड आइस डाटा सेंटर की ओर से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों को बनाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक आर्कटिक समुद्र के केवल 11.1 मिलियन स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र में ही बर्फ बची है जो कि पिछले तीस साल के औसत 12.7 मिलियन स्क्वेयर किमी से कम है। उनका दावा है कि तेजी से बर्फ पिघलने से समुद्र भी गर्म होने लगा है। गौर करें तो यह स्वाभाविक भी है कि जब बर्फ की मोटी परत नहीं होगी तो पानी सूर्य की किरणों को ज्यादा मात्रा में सोखेगी ही। फिर ग्लोबल वार्मिंग के खतरनाक होने से कैसे रोका जा सकता है। नेचर क्लाइमेट में प्रकाशित एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल वार्मिंग को दो डिग्री से कम रखने की सिर्फपांच प्रतिशत ही संभावना है। वैज्ञानिकों का दावा है कि पृथ्वी का वातावरण पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में तकरीबन एक डिग्री गर्म हो चुका है और इससे सदी के अंत तक तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस वृद्धि हो जाएगी।

`पेरिस जलवायु समझौते के तहत तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने का लक्ष्य रखा गया है पर ऐसा संभव नहीं लगता है। वैज्ञानिकों की मानें तो वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री वृद्धि से इस क्षेत्र के तापमान में 2.1 डिग्री वृद्धि होगी। अगर ऐसा हुआ तो हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला का तापमान 2.3 डिग्री व उत्तरी हिमालय का 1.9 डिग्री अधिक हो जाएगा। अगर तापमान अपने मौजूदा स्तर पर भी स्थिर बना रहता है तब भी ग्लेशियर कई दशकों तक अनवरत गति से पिघलते रहेंगे। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि गलेशियर के पिघलने में तेजी आयी तो बाढ़ का खतरा उत्पन होगा और समुद्र के जल में भारी इजाफा होगा। इससे समुद्रतटीय शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जाएगा। याद होगा पिछले ही दिनों मैक्सिको की खाड़ी में स्थित लुईसियाना का डेलाक्रोइस शहर देश-दुनिया में चर्चा का विषय बना। उसका कारण यह था कि यह शहर धीरे-धीरे समुद्र में समा रहा है।

यहां समुद्र का पानी शहर एक बड़े हिस्से को निगल चुका है और सौ साल में लुईसियाना की 1880 स्क्वेयर मील जमीन में डूब चकी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि औसतन 17 स्क्वेयर मील जमीन हर साल गंवानी पड़ रही है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर कहीं बड़ा समुद्री तूफान आया तो शहर का काफी हिस्सा समुद्र में समा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले सौ साल में समुद्र का पानी बढ़ने की रफ्तार पिछली 27 सदियों से ज्यादा है। वैज्ञानिकों की मानें तो अगर धरती का बढ़ता तापमान रोकने की कोशिश न हुई तो समुद्र का स्तर 50 से 130 सेंटीमीटर बढ़ सकता है। आर्कटिक क्षेत्र में आर्कटिक महासागर, कनाडा का कुछ हिस्सा, ग्रीनलैंड (डेनमार्क का एक क्षेत्र) रूस का कुछ हिस्सा, संयुक्त राज्य अमेरिका (अलास्का) आइसलैंड, नार्वे, स्वीडन तथा फिनलैंड में भी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है तो आर्कटिक के साथ-साथ अंटार्कटिका के विशाल हिमखंड भी पिघल जाएंगे और समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो जाएगी। इसका परिणाम यह होगा कि समुद्रतटीय नगर समुद्र में डूब जाएंगे। 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के लगभग 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई अब आधे मीटर से भी कम रह गई है। हिमालय क्षेत्र में पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर दो से पांच किमी सिकुड़ गए हैं और 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। यह सभी के लिए घातक है।

जरनैल सिंह

तापमान नियंत्रण की चिंता करे दुनिया

जी-20 सम्मेलन में वसुधैव कुटुम्बकम की बात उठाई गई और अब उसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। मानव केंद्रित विकास की बजाय प्रकृति केंद्रित विकास को अपनाने धर्मसत्ता, समाजसत्ता, राजसत्ता और अर्थसत्ता सभी में आत्म परिष्कार की जरूरत है। कोई छूटे नहीं, एक नहीं, सभी लोग मिलकर इसके लिए एकजुट हों। इसी में हम सबका, प्रकृति का, जगत का कल्याण है।

सब कुछ जानते-समझते हुए भी ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह पर्यावरण की कुर्बानी देकर हासिल हुआ है। नतीजा अब सामने है। हवा, पानी, जमीन व जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो 50 साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में है। गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं।

आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है। वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत गलती सुधारने में जुट जाना था। पर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गए, कोष इकट्ठा हुए, एजेंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा।

पर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है। बीते साल जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुईं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या फिर दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए गंभीर संकेत हैं। अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म ईंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलाएंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है। यूरोपीय समूह असल में रूसी गैस का विकल्प ढूंढ रहा है। वह इसलिए भी अफ्रीका को स्वार्थ भरी निगाहों से देख रहा है, क्योंकि उसको पता है कि रूस के मुकाबले अफ्रीका हर मोर्चे पर पीछे रहेगा।

दुनिया के तमाम उदाहरणों को भी देखना होगा, जब तेल को लेकर कहां-कहां और कैसी-कैसी लड़ाइयां हुई हैं। हो सकता है कि अमेरिका और यूरोपीय समूह के लिए अफ्रीकी देश, रूस के मुकाबले बेहद आसान लक्ष्य हों। हकीकत यह है कि समूची दुनिया में जीवाश्म गैसों के कुल उत्पादन में छह फीसद हिस्सेदारी ही अफ्रीका की है, जबकि जलवायु परिवर्तन से वहां की फसलों पर जबरदस्त दुष्प्रभाव पड़ा है। वहीं अफ्रीका में अब भी साठ करोड़ से ज्यादा लोगों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। ऐसे में अंधेरे अफ्रीकी देश यूरोप को रोशन करेंगे, सुन कर ही कितना अजीब लगता है। बात भारत में साल दर साल बढ़ती भयावह गर्मी की हो या फिर 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप की भयावह गर्मी या उस सूखे की, जो पांच सौ साल का कीर्तिमान था या फिर पाक में आई विनाशकारी बाढ़ की हो। दुनिया के तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के चलते समुद्री जलस्तर से दुनिया के कई इलाकों के डूबने के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन झेल रहे तमाम देशों की, इस पर कब चेतेंगे? अभी तो हमने केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में ऐसे हालात देखे हैं, अगर यही वृद्धि 1.5 डिग्री या इससे भी आगे बढ़ी, तो हालात कैसे होंगे, कल्पना मात्र से सिहरन हो उठती है।

अक्षय ऊर्जा के लिए पर्याप्त धन देकर प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता न बढ़ाने की सहमति बनानी थी, वैसा न कर एक मौका और गंवा दिया। आखिर कब तक दुनिया भर में चुकते प्राकृतिक संसाधन हमारे लिए अवसर बनते रहेंगे? यही वह वक्त है जब जलवायु संतुलन पर जलवायु प्रेमी संगठनों के दखल की जरूरत है, जिसमें सरकारों से अलग जनभागीदारी से लोगों में संदेश पहुंचे व भावुक तौर-तरीके अपनाए जाएं, जिससे दुनिया के हर आदमी को दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जलवायु को सुधारने की कैसी कोशिशें हों, समझाई जाएं। सवाल सिर्फ सरकारों के एजेंडे, देशों की तरक्की, पैसा कमाने की होड़ या बाहुबली बनने के लिए कुछ भी किया जाए, न होकर आने वाली उस पीढ़ी की चिंता पर है। इसी पर 2015 में पृथ्वी दिवस के दिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी अपनी गंभीर चिंता जताई थी और कहा था कि इससे निपटने की जवाबदेही नई पीढ़ी पर भला कैसे छोड़ी जा सकती है?

उनका इशारा भावी पीढ़ी के साथ जबरदस्त और कभी भरपाई न हो सकने वाली मुसीबत की ओर था। भला भावी पीढ़ी का इसमें क्या दोष? क्यों भुगते हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरण असंतुलन का खमियाजा, जो इस मामले में अबोध और नासमझ है, कूटनीति, राजनीति या फिर अर्थनीति की ज्यादा जानकारी नहीं रखती है। बहुतेरों को पर्यावरण, प्रदूषण या जलवायु परिवर्तन की समझ भी नहीं है, लेकिन प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर मन में जरूर कुछ न कुछ हलचल तो होती होगी। बस इसी को जगाना है। सच तो यह है कि अब समूची दुनिया में प्राकृतिक संतुलन को लेकर एक वैश्विक क्रांति की जरूरत है। पश्चिम के भौतिकवादी विकास से प्रभावित होकर प्रकृति की बजाय व्यक्ति को केंद्र में रखने से प्रकृति का भयानक शोषण और अत्याचार हुआ है। विकास की अंधी दौड़ में हम भूल गए कि मनुष्य का जीवन जमीन, जल, जंगल, जानवर, पेड़, पहाड़, परिवार और समाज सभी के साथ एकाकार है। उसकी वजह से दुनिया का पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है।

क्लाइमेट चेंज का निदान बाजारोन्मुखी समाज और पूंजीवादी व्यवस्था के पास नहीं है। पर्यावरण का संकट बाजारवाद का एक फलित है। इससे यह भी निष्कर्ष निकलता है कि विकास के प्रचलित फार्मूले में भारी गड़बड़ है। विकास और उपभोग का यह मॉडल भारत की तासीर से बेमेल है। भारत की परम्परा में इसे जल, जंगल, जमीन, जानवर व जीवन के असंतुलन के तौर पर देखा जाए तो प्रकृति केंद्रित विकास के माध्यम से इस चुनौती के समाधान की शुरूआत हो सकती है। हमें पूरी दुनिया को विकास की समग्रता वाला मॉडल बताने की जरूरत है।

जरनैल सिंह

जन शिक्षा अधिकार मंच के धरने ने किया 416 वें दिन में प्रवेश

हमारे पुर्वजों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी : भाल

कहा : उन्होंने कुर्बानियां देकर भावी पीढ़ी के लिए अच्छे जीवन की राह बनाई

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल द्वारा जारी धरना आज 416 वें दिन में प्रवेश कर गया है।412 वें दिन धरने की अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ जिला कैथल के वरिष्ठ उपप्रधान ओमपाल भाल ने की। ओमपाल भाल ने कहा कि कैथल में आयोजित 9 दिसंबर की रैली में सर्व कर्मचारी संघ बढ़ चढ़ कर भाग लेगा। 28 दिसंबर 2022 से कैथल के जिला सचिवालय में लगातार धरना जारी है, यह पड़ाव शिक्षा के मुद्दों को लेकर व जन शिक्षा को बचाने के लिए है। हमारे पुर्वजों अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ कर वो कुर्बानियां देकर भावी पीढ़ी के लिए अच्छे जीवन की राह बनाई थी, आई उन्ही के सपनों को साकार करने के लिए लाखों स्कूल, कालेज, युनिवर्सिटी, तकनीकी संस्थान, मेडिकल कॉलेज,आई आई टी,आई आई एम व अन्य संस्थान खोले गए।उन संस्थानों में सस्ती व गुणवत्ता वाली शिक्षा ग्रहण करके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, कर्मचारी व नेता बने।

आज सता की कुर्सी पर बैठे अंहकारी लोग जनता द्वारा दान में व पंचायती जमीन में बनाए गए सरकारी स्कूलों को धड़ाधड़ बंद करके बड़े बड़े धन्नासेठों व कार्पोरेट जगत के हवाले करना चाहते है। नई शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा की ओर बढ़ते कदमों का दस्तावेज है,जिसे संसद में बिना बहस के कोरोना काल में सरकारी आदेश से लागू कर

दिया गया। उसी के दिशा निर्देश में शिक्षा और स्कूलों को बर्बाद करने के कदम उठाए जा रहे है। जैसे प्रदेश के 50 हजार से अधिक खाली पड़े पदों पर भर्ती न करके बच्चों को स्कूलों से भगाया जा रहा है, फिर कम छात्र संख्या के नाम पर सैकड़ों स्कूलों को बंद किया जा रहा है। अध्यापकों की भर्ती करके बच्चों की संख्या बढ़ाई जा सकती है, लेकिन मौजूदा सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाना चाहती, यह हमारे प्रदेश के लिए चिंताजनक स्थिति है। रिटायर्ड मुख्याध्यापक रामशरण राविश ने कहा कि राज्य में लड़कियों के आठवीं तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया है, कैथल जिले में भी ऐसे 9 स्कूल है। राज्य मंत्री माननीया कमलेश डांढा के आवास पर गत दिवस जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल द्वारा 8 सितंबर 2022 को एक प्रदर्शन किया गया था, इस प्रदर्शन के दौरान बहुत से नेताओं ने अपना संबोधन किया था। शिक्षक नेता सुरेश द्रविड़ ने भी अपना संबोधन किया था,इस संबोधन में सुरेश द्रविड़ ने कुछ भी गलत नहीं कहा है बल्कि शिक्षा के निजीकरण व अन्य प्रकार के निजीकरण का ही विरोध किया था। उन्होंने पुलिस व फौज के निजीकरण का भी विरोध किया था तथा संविधान के पक्ष में अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा की निजीकरण का विरोध करना तथा संविधान के पक्ष में बात करना राजद्रोह नहीं हो सकता ,बल्कि शिक्षक नेता सुरेश द्रविड़ ने मौजूदा सरकार को चेताया था और मौजूदा सरकार को अपनी कमियों को दूर करते हुए अपनी कार्यशैली में सुधार करना चाहिए था लेकिन मौजूदा सरकार ने शिक्षक नेता सुरेश द्रविड़ की आवाज को दबाने का काम किया ताकि अन्य व्यक्ति भी सही आवाज न उठा सके।

लोकतंत्र में लोगों की आवाज को दबाना उचित नहीं है बल्कि लोकतंत्र में लोगों की आवाज को सुनना चाहिए और उनकी जायज मांगों का समाधान करना चाहिए। जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल के संयोजक जयप्रकाश शास्त्री ने कहा कि दिवाली के अवसर पर कैथल के शिक्षकों ने अनुठी शुरुआत की है कैथल के शिक्षकों ने दिवाली के अवसर पर जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल को आर्थिक सहायता प्रदान की है। इन सभी साथियों का हम धन्यवाद करते है। यह आर्थिक सहायता आंदोलन की सफलता में मील का पत्थर साबित होगी और आने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी,कैथल का यह आंदोलन बहुत ही प्रेरणादायी बन गया है। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ कैथल के पूर्व जिला प्रधान राजेश बैनिवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार को चिराग योजना को तुरंत रद्द कर देना चाहिए और बंद किए गए कन्या स्कूलों को दोबारा खोलना चाहिए। स्कूलों को मर्जर करने की प्रक्रिया को भी बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा की शिक्षक नेता सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर को रद्द कर देना चाहिए व जन शिक्षा अधिकार मंच के साथियों से बातचीत करके शिक्षा से संबंधित मुद्दों का समाधान करना चाहिए। लोकतंत्र में बातचीत करके मसलों का हल निकालना बेहद सकारात्मक है। हरियाणा सरकार को सकारात्मकता की ओर बढ़ना चाहिए,हम सकारात्मकता का स्वागत करेंगे। धरने पर आज भरथा किठाना,कपुरा,भूम सिंह चहल, रामेश्वर तितरम, हवा सिंह भाणा,दरबारा, मंगता पाई, अशोक शर्मा, सतबीर सौंगरी, हजूर सिंह, मामचंद खेड़ी सिम्बल, बलवंत जाटान, बलवंत रेतवाल, सुखपाल मलिक खुराना, महेंद्र सिंह, रामचंद्र मलिक, सुरेश द्रविड़, वीरभान हाबड़ी, रणधीर ढुंढ़वा, सतबीर प्यौदा, रामदिया गुल्याणा, कलीराम, भीम सिंह, रमेश कुमार, जयप्रकाश आदि भी उपस्थित थे।

जहरीली शराब मामले में पीड़ित परिवारों की प्रदेश सरकार करेगी हर संभव मदद: शिक्षा मंत्री

दोषियों को किसी भी कीमत पर बक्शा नही जायेगा

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । नवम्बर-यमुनानगर में जहरीली शराब पीने से लगातार हो रही मौतों के मामले को लेकर स्कूल शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री कंवरपाल ने एसपी गंगा राम पूनिया से बात कर मामले की जानकारी ली। मंत्री ने इस मामले में पुलिस द्वारा उठाए जा रहे कदम और कार्यवाही के बारे में विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने एसपी से कहा कि इस मामले में कोई भी आरोपी बचना नहीं चाहिए, जिसका भी नाम सामने आए उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से भी कहा है कि जो लोग अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, उनके ईलाज में किसी तरह की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि मेरी जानकारी में यह जिले की अब तक की सबसे बड़ी घटना है। मेरी और पूरे जिले के लोगों की संवेदनाएं मृतक परिवारों के साथ हैं। दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने 10 टीमों का गठन किया गया है। सात लोगों को पकड़ा जा चुका है। इसके लिए शराब के ठेकों में जाकर भी स्टॉक की जांच की जा रही है ताकि जहरीली शराब पीने से और लोगों की जान न जाए। शराब पीने से कई परिवारों से कमाने वाले लोग चले गए। इससे पीड़ित परिवारों पर बड़ी विपदा आई है। इस बारे में वह मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बात करेंगे ताकि उनकी आर्थिक मदद की जा सके। मुख्यमंत्री गरीब लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। वहीं जो लोग अस्पतालों में उपचाराधीन हैं उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।

गुरुदेव ने 'नशा छोड़ो – जिंदगी बचाओ' यात्रा कर दिया नशा छोड़ने का संदेश

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

कैथल, 29 अक्टूबर को बसवा टीम के तत्वावधान में गुरुदेव बड़सीकरी के नेतृत्व में नशा छोड़ो जिंदगी – बचाओ साइकिल यात्रा गांव सीवन से शुरू होकर खानपुर ,खुराना , दयोहरा, क्योडक, टीक, खनोदा, रावन हेरा के रास्ते होते हुए पुंडरी,पाई , भाणा, राजौंद तक पहुंची है। राजौंद में रात्रि ठहराव का कार्यक्रम बसवा टीम द्वारा किया गया। इस मौके पर गुरुदेव बडसीकरी के साथ बसवा टीम के संस्थापक रोहताश मेहरा, भाई सीता खुराना , अंकित सीवन, रवि सीवन, कुलदीप सीवन, विक्रम लोन बसवा टीम के प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा, बसवा टीम से सुमित भारतीय, दीपक धमतान, सुरेन्द्र कुमार,सोनू, शमशेर सिंह प्रधान डॉ अम्बेडकर कमेटी, अमित कुमार, सुनील कुमार, मनप्रीत सिंह सिरोही, सुखदेव ग्रोवर कोच मौजूद रहे। रावनहेडा गांव में मा. नसीब बौद्ध ने पुस्तकालय की टीम के साथ बसवा टीम का भव्य स्वागत किया। उसके उपरांत पुंडरी गांव में राजेश बौद्ध और टीम ने स्वागत किया।

सांप के साथ छेड़खानी, जान देकर चुकानी पड़ी

भोलेनाथ का बाप हूं, काट के दिखा मुझे, सांप को चैलेंज कर रहा था शख्स, चली गई जान

मृतक 6 बाई बहनों में सबसे छोटा था घटना 4 नवंबर शाम की है रोहित शराब के नशे में धुत था

गजब हरियाणा न्यूज

देवरिया । सोशल मीडिया में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक शख्स, सांप के साथ खिलवाड़ करता दिख रहा है। जिस सांप के साथ वह खिलवाड़ करते हुए वीडियो बनवा रहा है उसी के काटने से उसकी जान चली गई। पूरा मामला उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का है।

मृतक का नाम रोहित जायसवाल है। 22 वर्षीय यह युवक जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव का रहने वाला था। उसे पास में ही एक सांप दिखा तो

वह उसके पास जाकर उससे खेलने लगा।

जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें दिख रहा है की एक हाथ में सिगरेट पड़े हुए रोहित सांप को छेड़ रहा है। थोड़ी देर जमीन पर उसके साथ खिलवाड़ करने के बाद उसने सांप को अपने गले में डाल लिया। वह इतने नशे में था कि सांप से भी बात कर रहा था।

रोहित सांप को चैलेंज करने लगा कि मुझे काट कर दिखा। वह उससे यह भी कह रहा था कि मैं भोलेनाथ का बाप हूं, तू मुझे नहीं काट सकता। इन सब के बीच अचानक सांप ने रोहित के गले पर काट लिया। थोड़ी देर बाद वहीं पर रोहित की मौत हो गई। किसी किसी प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रोहित के माता-पिता पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में काम करते हैं। रोहित के दूसरे भाई भी बाहर शहरों में काम करते हैं।

केयू में वर्ल्ड डायबिटीज डे पर निशुल्क हेल्थ कैम्प का हुआ आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर में वर्ल्ड डायबिटीज डे पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में नि:शुल्क हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हेल्थ सेंटर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष अनेजा, गैपियो सदस्य, आरएसएसडीआई मेंबर एवं व उनकी टीम द्वारा लगभग 300 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस कैंप में न्यूरोपैथी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, स्पाइरोमेट्री, बीएमडी टेस्टिंग, लिवर स्कैन, ईसीजी और कई अन्य टेस्ट निशुल्क किए गए। कैंप में डॉ. पायल और डॉ. जसकरण द्वारा फिजिशियन एंड ऑर्थोपेडिक कंसल्टेशन भी मरीजों को प्रदान की गई।

डॉ. आशीष अनेजा ने बताया कि आज के समय में डायबिटीज होना बहुत आम बात है जिस तरह का आजकल लाइफस्टाइल हो गया है उसमें डायबिटीज बहुत तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। अधिक उम्र के लोगों को ही नहीं बल्कि आज के समय में युवा और बच्चे भी डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। यह एक ऐसा खतरनाक रोग है जो शरीर को धीरे-धीरे खोखला कर देता है। अगर इसको नजरअंदाज किया जाये तो शरीर के दूसरे अंग निष्क्रिय हो सकते हैं।

इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शुचिस्मिता, लोक सम्पर्क विभाग के उप-निदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर, डॉ. अरुण केसरवानी, डॉ. परमेश, डॉ. राजेश सोबती, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, मोहन सिंह, नरेंद्र सिंह, अवतार सिंह, रूपेश, सुरेश शर्मा, वरुण, वीरेंद्र, अमित, पारस, पार्थ, देवेंद्र, अशोक, मनीषा व रितिका आदि उपस्थित रहे।

गुरु नानक जयंती पर विशेष(27 नवंबर)

भारत की दिव्य विभूति थे गुरु नानक देव जी

गुरुनानक देव ने संसार के दुखों को घृणा, झूठ और छल – कपट से परे होकर देखा। इसलिए वे इस धरती पर मानवता के नवीनीकरण के लिए निकल पड़े। वे सच्चाई की मशाल लिए, अलौकिक स्नेह , मानवता की शांति और प्रसन्नता के लिए चल पड़े।

ईश्वर एक है, ईश्वर ही प्रेम है, ईश्वर की दृष्टि में सारे मनुष्य समान हैं । वे सब एक ही प्रकार जन्म लेते हैं और एक ही प्रकार अंतकाल को भी प्राप्त होते हैं। ईष्वर भक्ति प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।

महान सिख संत व गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 ई में रावी नदी के किनारे स्थित रायभुए की तलवंडी में हुआ था जो ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है और भारत विभाजन में पाकिस्तान के भाग में चला गया। इनके पिता मेहता कालू गांव के पटवारी थे और माता का नाम तृप्ता देवी था। इनकी एक बहन भी थी जिनका नाम नानकी था। बचपन से ही नानक में प्रखर बुद्धि के लक्षण और सासांरिक चीजों के प्रति उदासीनता दिखाई देती थी। पढ़ाई– लिखाई में इनका मन कभी नहीं लगा। सात वर्ष की आयु में गांव के स्कूल में जब अध्यापक पंडित गोपालदास ने पाठ का आरंभ अक्षरमाला से किया लेकिन अध्यापक उस समय दंग रह गये जब नानक ने हर एक अक्षर का अर्थ लिख दिया। गुरु नानक के द्वारा दिया गया यह पहला दैविक संदेश था।

कुछ समय बाद बालक नानक ने विद्यालय जाना ही छोड़ दिया। अध्यापक स्वयं उनको घर छोड़ने आये। बालक नानक के साथ कई चमत्कारिक घटनाएं घटित होने लगीं जिससे गांव के लोग इन्हें दिव्य शक्ति मानने लगे। बचपन से ही इनके प्रति श्रद्धा रखने वाले लोगों में इनकी बहन नानकी गांव के शासक प्रमुख थे। कहा जाता है कि गुरुनानक का विवाह 14 से 18 वर्ष के बीच गुरूदासपुर जिले के बटाला के निवासी भाईमुला की पुत्री सुलक्खनी के साथ हुआ। उनकी पत्नी ने दो पुत्रों को जन्म दिय। लेकिन गुरु पारिवारिक मामलों में पड़ने वाले व्यक्ति नहीं थे। उनके पिता को भी जल्द ही समझ में आ गया कि विवाह के बाद भी गुरु अपने आध्यात्मिक लक्ष्य से पथभ्रष्ट नहीं हुए थे। वे शीघ्र ही अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर अपने चार शिष्यों मरदाना,लहना, नाला और रामदास को लेकर यात्रा के लिए निकल पड़े।

गुरुनानक देव ने संसार के दुखों को घृणा, झूठ और छल – कपट से परे होकर देखा। इसलिए वे इस धरती पर मानवता के नवीनीकरण के लिए निकल पड़े। वे सच्चाई की मशाल लिए, अलौकिक स्नेह , मानवता की शांति और प्रसन्नता के लिए चल पड़े। वे उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम चारों तरफ गये और हिंदू ,मुसलमान, बौद्धों, जैनियों, सूफियों, योगियों और सिद्धों कें विभिन्न केद्रों का भ्रमण किया। उन्होंने अपने मुसलमान सहयोगी मरदाना जो कि एक भाट था के साथ पैदल यात्रा की। उनकी यात्राओं को पंजाबी में उदासियां कहा जाता है। इन यात्राओं मे आठ वर्ष बिताने के बाद घर वापस लौटे।

गुरुनानक एक प्रकार से सर्वेश्वर वादी थे। रूढ़ियों और कुप्रथा के तीखे व प्रबल विरोधी थे। उनके दर्शन में वैराग्य के साथ साथ साथ तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक स्थितियों पर भी विचार दिए गए हैं है। संत साहित्य में नानक ने नारी को उच्च स्थान दिया है। इनके उपदेश का सार यही होता था कि ईश्वर एक है। हिंदू, मुसलमान दोनों पर ही इनके उपदेशों का प्रभाव पड़ता था। कुछ लोगों ने ईर्ष्या वश उनकी शिकायत तत्कालीन शासक इब्राहीम लोदी से कर दी जिसके कारण कई दिनों तक कैद में भी रहे। कुछ समय बाद जब पानीपत की लड़ाई में इब्राहीम लोदी बाबर के साथ लड़ाई में पराजित हुआ तब कहीं जाकर गुरुनानक कैद से मुक्त हो पाये। जीवन के अंतिम दिनों में गुरु नानक देव की ख्याति बढ़ती चली गयी तथा विचारों में भी परिवर्तन हुआ। उन्होनें करतारपुर नामक एक नगर भी बसाया था।

अपने दैवीय वचनों से उन्होंने उपदेश दिया कि केवल अद्वितीय परमात्मा की ही पूजा होनी चाहिये। कोई भी धर्म जो अपने मूल्यों की रक्षा नहीं करता वह अपने निम्न स्तर के विकास को दर्शाता है और आने वाले समय में अपना अस्तित्व खो देता है । उनके संदेश का मुख्य तत्व इस प्रकार था ङ्क ईश्वर एक है, ईश्वर ही प्रेम है, ईश्वर की दृष्टि में सारे मनुष्य समान हैं । वे सब एक ही प्रकार जन्म लेते हैं और एक ही प्रकार अंतकाल को भी प्राप्त होते हैं। ईष्वर भक्ति प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उसमें जाति– पंथ ,रंगभेद की कोई भावना नहीं है। 40वें वर्ष में ही उन्हें सतगुरु के रूप में मान्यता मिल गयी। उनके अनुयायी सिख कहलाये। उनके उपदेशों के संकलन को जपजी साहब कहा जाता है। प्रसिद्ध गुरू ग्रंथसाहिब में भी उनके उपदेश और संदेश हैं। सभी भारतीय उन्हें पूज्य मानते हैं और भक्तिभाव से इनकी पूजा करते हैं।

कवि ननिहाल सिंह ने लिखा है कि, वे (गुरु नानक देव जी) पवित्रता की मूर्ति थे उन्होंने पवित्रता की शिक्षा दी। वे प्रेम की मूर्ति थे उन्होंने प्रेम की शिक्षा दी। वे नम्रता की मूर्ति थे, नम्रता की शिक्षा दी। वे शांति और न्याय के दूत थे । समानता और शुद्धता के अवतार थे। गुरूनानक जी ने संदेश दिया कि वही सर्वश्रेष्ठ ईश्वर सब का परमेश्वर है। गुरुनानक जी के दर्शन, उनकी शिक्षाओं और गहरी अंतर्दृष्टि के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। संत गुरूनानक मानव रूप में एक ईश्वरीय आत्मा थे।

प्रेषक – मृत्युंजय दीक्षित

वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस जयंती विशेष (30 नवंबर)

मशहूर वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस की 165 वी जयंती है। जी हाँ, उनका 30 नवंबर, 1858 को जन्म हुआ था। बोस का जन्म बंगाल (अब बांग्लादेश) के ढाका जिले के फरीदपुर के मेमनसिंह में हुआ था। उनके पिता भगवान चन्द्र बोस ब्रह्म समाज के एक बड़े नेता थे और फरीदपुर, बर्धमान एवं अन्य जगहों पर उप-मैजिस्ट्रेट या सहायक कमिश्नर के तौर पर भी पदस्थ थे। लेकिन फिर भी उनके अंदर राष्ट्रीयता का का ऐसा बीज रोपित था कि उन्होंने अपने बेटे जगदीश चंद्र बोस की प्रारंभिक शिक्षा में अंग्रेजी भाषा को ही नकार दिया। इसलिए बोस की शुरुआती पढ़ाई बांग्ला भाषा में ही हुई थी।

लेकिन जगदीश चंद्र बोस तो जैसे कहते हैं न कि 'पूत के पाँव पालने में' ही दिख जाते हैं, वे बचपन से ही मेधावी थे। उन्होंने बाद में अंग्रेजी सीखनी शुरू की तो जल्द ही उन्होंने इस भाषा को सीख ली। बचपन से ही उनका मन जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान में अधिक लगता था। बस उनकी शुरुआती पढ़ाई में ही इन विषयों में उनके समुचित रुझान को देखते हुए उनके पिता ने उन्हें डॉक्टरी की पढ़ाई करने के लिए लंदन भेज दिया।

डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए लंदन पहुंचे जगदीश चंद्र बोस

इसके बाद महज 22 साल उम्र में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई करने के लिए जगदीश चंद्र बोस, इंग्लैंड की राजधानी लंदन पहुँच गए। लेकिन लंदन पहुंचने के बाद से ही उनका स्वास्थ्य खराब रहने लग गया था, जिसके बाद उन्होंने डॉक्टर बनने का बड़ा निर्णय बदल दिया और वे मेडिकल की पढ़ाई बीच में ही छोड़कर वापस देश लौट आए।

छोड़ दी मेडिकल की पढ़ाई

इसके बाद जब बोस का मेडिकल में जाने का मन बदला तो वे भौतिकी की तरफ मुद गए। जिसके चलते बाद में उन्होंने भौतिक विज्ञान में कैम्ब्रिज के क्राइस्ट महाविद्यालय में एडमिशन ले लिया। वहां उन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर काम किया और रेडियो की खोज भी की। उन्होंने अपने इस खोज में रेडियो तरंगों को डिटेक्ट करने के लिए सेमीकंडक्टर जंक्शन का इस्तेमाल किया था और इस पद्धति में कई जरुरी माइक्रोवेव कंपोनेंट्स की खोज की थी। अपनी पढ़ाई पूरी करने की बाद जेसी बोस 1885 में भारत लौटे और भौतिकी के सहायक प्राध्यापक के रूप में प्रेसिडेंसी कॉलेज में शिक्षण कार्य भी प्रारंभ किया। वे वहां 1915 तक रहे। बाद में प्रेसिडेंसी कॉलेज से रिटायर होने के बाद 1917 ई। में इन्होंने बोस रिसर्च इंस्टिट्यूट, कलकत्ता की स्थापना की और 1937 तक इसके डायरेक्टर पद पर कार्यरत रहे।

बोस ने किया साबित कि पेड़-पौधों को भी होता है दर्द

हालाँकि भौतिक विज्ञान की इतनी बड़ी खोज करने वाले जगदीश चंद्र बोस का असल में तो मन हमेशा ही जीव विज्ञान और वनस्पति विज्ञान व पुरातत्व में ही रमता था। वैसे भी इसमें तो उनकी रूचि थी ही। उन्होंने माइक्रोवेव के वनस्पति के टिश्यू पर होने वाले असर का भी गहन अध्ययन किया। वहीं पौधों पर बदलते हुए मौसम से होने वाले असर का भी एक व्यापक अध्ययन भी किया। इसके साथ ही रासायनिक इन्हिबिटर्स का पौधों पर हो रहे असर का पुरजोर अध्ययन किया और बदलते हुए तापमान से होने वाले पौधों पर पड़ने वाले असर पर ही अध्ययन किया।

जगदीश चन्द्र बोस को मिले अनेक सम्मान

इसके साथ ही तमाम सैम-विषम

परिस्थितियों में सेल मेम्ब्रेन-पोटेंशियल के बदलावों के विश्लेषण के बाद वह इस बड़े निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि पौधे भी बहुत संवेदनशील होते हैं। इतना ही नहीं तमाम पेड़-पौधे 'दर्द' भी महसूस कर सकते हैं। वे 'प्रेम' का भी अनुभव कर सकते हैं। विज्ञान में अपने अभूतपूर्व खोजों के लिए बोस को 1917 में ' नाइट ' की बड़ी उपाधि दी गई थी। हालाँकि इसके पहले उन्हें 1896 में लंदन विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि भी मिली थी ।

वे 1920 में रॉयल सोसायटी के फेलो चुने गए थे। इसके साथ ही इन्स्टि्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियर्स ने जगदीष चन्द्र बोस को अपने 'वायरलेस हॉल ऑफ फेम' में भी सम्मिलित किया था।

मातादीन भंगी जयंती विशेष (29 नवंबर)

सन 1857 के सैनिक विद्रोह का महानायक मातादीन भंगी

जब हम आजादी का इतिहास पढते हैं तब, सन 1857 का सैनिक विद्रोह याद आता है। और जब यह विद्रोह याद आता है तब, मंगल पांडे अनायास अपने ब्रिटिश सार्जेंट की छाती पर बन्दूक ताने आपके जेहन में कूद पड़ता है। मगर,यह तस्वीर का एक पहलू है।

तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि इतिहास को लिखने की जिसकी ठेकेदारी थी, चाहे ब्राह्मण हो या ठाकुर, था ऊँची जात। अब यह तो आपने देख ही लिया है कि वशिष्ठ हो या विश्वामित्र; गुरु (द्रोणाचार्य) की कुर्सी रहती उसके पास ही है !

खैर, हम सन 1857 के सैनिक विद्रोह पर आते हैं। इस सैनिक विद्रोह की कथा पढ्ते समय ब्राह्मणोँ की छाति फूल जाती है। यह विद्रोह हिंदुओं की आस्था से जुड़ा है। और यह तो आप जानते ही हैं कि आस्था के सामने सारा साइंस और तर्क बौने हो जाते हैं।

हिंदुओं की मान्यता है कि ब्राह्मण श्रेष्ठ है। ब्राह्मण, श्रेष्ठ इसलिए है कि वह गाय का मांस नहीं खाता। गाय का मांस खाने की बात दूर, वह उसे मुंह क्या हाथ भी नहीं लगाता ?

ब्रिटिश आर्मी में मंगल पांडे नाम का एक ब्राह्मण था। ब्राह्मण एक ऐसा जीव है कि सेना में भर्ती हो कर युद्ध कर सकता है, राशन-किराने की दुकान पर बैठ कर पंसारी बन सकता है। और तो और शहर के बीचों-बीच बाजार में फूट-वियर की दुकान खोलकर वह जूते - चप्पल बेच सकता है। भाई , कानून-कायदे उसने खुद बनाया है ! वह सब कर सकता है ?

हुआ यह कि एक दिन मंगल पांडे अपने साथी सिपाही के हाथ से पानी का लोटा लेने से इसलिए मना कर देता है कि उसे देने वाला भंगी जात का था। बात बढ़ने पर तैश में वह सिपाही कहता है कि गाय और सुअर की चर्बी से बनी बन्दूक की गोली का खोका तो मुंह से तोड़ते तुम्हारा धर्म भ्रष्ट नहीं होता मगर , अपने सह-धर्मी से छुए लोटे का पानी तुम्हें भृष्ट करता है ? बात कडुवी मगर, सच थी।

गाय और सूअर की चर्बी की सच्चाई जान मंगल पांडे आग बबूला हो अपने प्लाटून कमांडर पर हमला कर देता है। बैरक में अफरा-तफरी देख जब सीनियर अधिकारी आगे बढ़ता है तो मंगल पांडे उल्टे उस पर ही बन्दूक तान देता है। भारतीय सैनिक विद्रोह पर उतारू हो जाते हैं। देखते ही देखते यह विद्रोह अन्य कई बैरकों में फैल जाता है।

ब्रिटीश सैनिक छावनियों में भारतीय सैनिकों का यह विद्रोह कोई छोटी-मोटी घटना

नहीं थी। मगर, क्या इस सैनिक विद्रोह का हीरो मंगल पांडे था ? भंगी जाति के उस सिपाही की, जिसने मंगल पांडे को अपने सह-धर्मी से पशु जैसा व्यवहार करने को ललकारा था, क्या कोई भूमिका नहीं थी ?

दोस्तों , वह भंगी जाति का सिपाही और कोई नहीं, दलित क्रांतिकारी वीर महानायक मातादीन भंगी था।

जिला बाल कल्याण परिषद ने गरीब बच्चों को वितरित की खाद्य सामग्री

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला बाल कल्याण परिषद कुरुक्षेत्र द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में कागज बीनने वाले व झुग्गी झोपडियों में रहने वाले गरीब बच्चों को बिस्कुट वितरित करके बाल दिवस मनाया गया। यह जानकारी देते हुए जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेश पूनिया ने बताया कि बाल दिवस के उपलक्ष्य में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा जिले की नई अनाज मंडी, शिव कॉलोनी व बी-7 की झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को बिस्कुट वितरित किए गए व बच्चों को बाल दिवस मनाने बारे अवगत कराया गया। इस अवसर पर बच्चों ने खुब आनंद लिया। समय-समय पर परिषद द्वारा बाल कल्याण की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर मीना कुमारी, राज कुमार, राज बाला, मनोज कुमार उपस्थित रहें।

GH WORLD TV

बेगमपुर सहर को नाड़

गजब NEWS HARYANA

सच्ची व स्टीक खबर-आप तक

जरुरी सूचना

गजब हरियाणा समाचार पत्र, अपना हरियाणा – अपना अखबार, 5 वर्षों से आपकी सेवा में।

गजब हरियाणा के सभी समाचार पत्र और अन्य खबरें पढ़े निशुल्क –

हमारी वेबसाइट : www.gajabharyana.com पर

गजब हरियाणा का सामाजिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर देखे –

gajab haryana news

धार्मिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज –

Gh World Tv

खबरें व धार्मिक कार्यक्रम की कवरेज करवाने के लिए संपर्क करें: 9138203233

gajabharyananews@gmail.com

अमृतवाणी वाणी

अमृतवाणी

संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जिओ की

हरि सो हीरा छाडि कर करहे आन की आस ।
ते नर दोजख जाहिगें सत भाषै रविदास ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि प्रभु के हीरे रुपी नाम को छोड़ कर जो जीव मुक्ति की कोई और आस (आशा) रखता है श्री गुरु रविदास जी महाराज वर्णन करते हैं कि मैं सदा अटल रहने वाली सच्चाई कहता हूं कि ऐसा जीव नरक में जाएगा।

धन गुरुदेव जी

साईं बुल्ले शाह काफ़ी -8

हाजी लोक मक्के नूँ जांदे.....

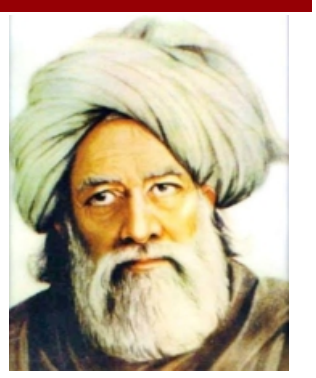

हाजी लोक मक्के नूँ जांदे
मेरा राँझा माही मक्का
नी मैं कमली हाँ.....

मैं ते मंग रांझे दी होईआं
मेरा बाबल करदा धक्का
नी मैं कमली हाँ.....

हाजी लोक मक्के वल्ल जांदे
मेरे घर विच नौशोह मक्का
नी मैं कमली हाँ.....

विच्चे हाजी विचे गाजी
विच्चे चोर उचक्का
नी मैं कमली हाँ.....

हाजी लोक मक्के वल्ल जांदे
असाँ जाना तख़्त हज़ारे
नी मैं कमली हाँ.....

जित वल्ल यार उते वल्ल का%बा
भावें फोल किताबाँ चारे
नी मैं कमली हाँ.....

झलकारी बाई जयंती विशेष(22 नवंबर)

झलकारी बाई एक आदर्श वीरांगना थी। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लिखी ये पंक्तियां उनकी वीरता का बखूबी वर्णन करती हैं।

जाकर रण में ललकारी थी,
वह तो झांसी की झलकारी थी।
गोरों से लड़ना सिखा गई,
है इतिहास में झलक रही,
वह भारत की ही नारी थी।

ऐसी महान वीरांगना महिला जिसे पूरे भारतवासियों को गर्व महसूस होता है, ऐसी झांसी की झलकारी 'झलकारी बाई' का जन्म बुंदेलखंड के एक गांव में 22 नवंबर को एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सदोवा उर्फ मूलचंद कोली और माता जमुनाबाई उर्फ धनिया था।

झलकारी बचपन से ही साहसी और दृढ़ प्रतिज्ञ बालिका थी। बचपन से ही झलकारी घर के काम के अलावा पशुओं की देख-रेख और जंगल से लकड़ी इकट्ठा करने का काम भी करती थी। एक बार जंगल में झलकारी की मुठभेड़ एक बाघ से हो गई थी और उन्होंने अपनी कुल्हाड़ी से उस जानवर को मार डाला था। वह एक वीर साहसी महिला थी। एक अन्य अवसर पर जब गांव के एक व्यवसायी पर डकैतों के एक गिरोह ने हमला किया तब झलकारी ने अपनी बहादुरी से उन्हें पीछे हटने को मजबूर कर दिया था। उनकी इस बहादुरी से खुश होकर गांव वालों ने उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के एक सैनिक पूरन कोरी से करवा दिया, जो बहुत बहादुर था।

झलकारी का विवाह झांसी की सेना में सिपाही रहे पूरन कोली नामक युवक के साथ हुआ। पूरे गांव वालों ने झलकारी बाई के विवाह में भरपूर सहयोग दिया। विवाह पश्चात वह पूरन के साथ झांसी आ गई। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में वे महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थीं। वे लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थीं, इस कारण शत्रु को धोखा देने के लिए वे रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं।

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी सेना से रानी लक्ष्मीबाई के घिर जाने पर झलकारी बाई ने बड़ी सूझबूझ, स्वामीभक्ति और राष्ट्रीयता का परिचय दिया था। रानी के वेश में युद्ध करते हुए वे अपने अंतिम समय अंग्रेजों के हाथों पकड़ी गईं और रानी को किले से भाग निकलने का अवसर मिल गया। उस युद्ध के दौरान एक गोला झलकारी को भी लगा और 'जय भवानी' कहती हुई वे जमीन पर गिर पड़ीं। ऐसी महान वीरांगना थीं झलकारी बाई। झलकारी बाई की गाथा आज भी बुंदेलखंड की लोकगाथाओं और लोकगीतों में सुनी जा सकती है।

इस वीरांगना झलकारी बाई की स्मृति में डाकविभाग ने 2001 में 4 रुपये मूल्य का एक डाक टिकट जारी किया।

भारत की संपूर्ण आजादी के सपने को पूरा करने के लिए प्राणों का बलिदान करने वाली वीरांगना झलकारी बाई का नाम आज भी इतिहास के पन्नों में अपनी आभा बिखेरता है। उनका निधन 4 अप्रैल 1857 को झांसी में हुआ था।

रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में रहीं और महिला शाखा में दुर्गा दल की सेनापति रह चुकी ऐसी महान वीरांगना झलकारी बाई ने सन् 1857 की जंग-ए-आजादी का एक ऐसा नाम, जिसके हौसले और बहादुरी ने भारत के इतिहास को गौरवान्वित किया है।

आशीर्वाद

मैं आपके पदचिह्नों पर चलना चाहता हूँ आपका आशीर्वाद चाहिए

मुझे समझे नहीं। पदचिह्नों पर चलना नहीं है। पदचिह्नों पर चलोगे, उधार हो जाओगे, नकली हो जाओगे, कार्बन कॉपी हो जाओगे। मेरी सुनो, मुझे समझो, मुझे देखो, मुझे पहचानो लेकिन मेरा अनुकरण मत करना। मेरी पुकार सुनो और जागो लेकिन जब तुम जागोगे, तो तुम जैसे तुम्हीं होओगे। तुम किसी की कॉपी नहीं होओगे, तुम किसी की नकल नहीं होओगे। और तुम जिस रास्ते पर चलोगे वह तुम्हारा ही होगा। न तो पहले कोई उस ढंग से चला है और न फिर कभी कोई उस ढंग से चलेगा।

जीवन के वास्तविक रास्ते चलने से बनते हैं, पहले से बने बनाए नहीं होते। सीमेंट के बने हुए रोड नहीं हैं जीवन के रास्ते। जीवन के रास्ते तो पहाड़ों में बनी पगडंडियां हैं। और पगडंडियां भी ऐसी नहीं कि कोई और चला हो और तुम उन पर चल जाओ। परमात्मा इतनी भी उधारी का मौका नहीं देता। परमात्मा मौलिक को प्रेम करता है और तुम्हें चाहता है कि तुम अपने मौलिक स्वरूप को उपलब्ध होओ। इसलिए तुम अगर बुद्ध के चरणचिह्नों पर चलकर पहुंचोगे तो तुम बुद्धू होकर पहुंचोगे, बुद्ध होकर नहीं पहुंच सकते। तुम चूक गए। तुम्हें तो अपने ही चरणचिह्न छोड़ जाने हैं। हां, समझो बुद्धों से, सीखो बुद्धों से। आत्मसात कर लो उनकी शिक्षा को, उनके प्रेम को, उनकी करुणा को। उनके ध्यान की तरंग में डूबे ताकि तुम्हारी अपनी तरंग पैदा हो सके। मगर जैसे ही तुम्हारी अपनी तरंग पैदा हो जाए, उसी का अनुसरण करो।

मेरे पदचिह्नों पर चलने का आशीर्वाद मत मांगो। इतना ही मुझसे मांगो कि तुम अपने पथ को पा सको। ऐसा आशीर्वाद मुझसे मांगो। मेरा संन्यासी किसी भीड़ का हिस्सा नहीं है। मेरा प्रत्येक संन्यासी अद्वितीय है, अनूठा है, अपना है, अपने जैसा है। मैं तुम्हें भीड़ के हिस्से नहीं बनाना चाहता। वह तो अपमान होगा तुम्हारे भीतर छिपे परमात्मा का।

नहीं, ऐसा आशीर्वाद मुझसे मत मांगो। ऐसा आशीर्वाद मैं तुम्हें दे भी नहीं सकता क्योंकि ऐसा आशीर्वाद आशीर्वाद होगा ही नहीं, अभिशाप भी हो जाएगा। मेरे पदचिह्नों पर तुम्हें नहीं चलना

है। किसी के पदचिह्नों पर तुम्हें नही चलना है। तुम्हें अपना मार्ग खोजना है। तुम्हें अपने ही पदचिह्नों से परमात्मा के मंदिर तक पगडंडी बनानी है। और तभी खोज में आनंद होता है, उल्लास होता है, अभियान होता है।

मैं तुम्हें तुम्हारी निजता देना चाहता हूं।

ओशो

नाम सुमिर मन बाँवरे

लेखा -जोखा

दूसरों के दोषों का लेखा-जोखा मत रखो। सिर्फ दूसरों की निंदा, आलोचना, प्रतिक्रिया में रस मत लो। यह पतन का मार्ग है। बल्कि अपने ही न किये हुए तथा किये हुए कर्मो को देखो।

धम्मपद -50.
न परेसं विलोमानि, न परेसं कताकतं ।
अत्तनो व अवेक्खेय्य, कतानि अकतानि च ।।

दूसरों की विरोध या विपरीत बातों की ओर ध्यान मत दो, दूसरों के दोष पर ध्यान मत दो और न ही दूसरों के किए, न किए कर्मों को देखना चाहिए बल्कि हमें यह देखना चाहिए कि हमने क्या-क्या किया है।

कुछ लोगों की नजर हमेशा बाहर की ओर रहती है, दूसरों के काम-काज पर ज्यादा ध्यान रखते हैं। ऐसे नकारात्मक विचार और दिशा वाले लोग हमेशा दूसरों की आलोचना, निंदा, विरोध और प्रतिक्रिया में ही लगे रहते हैं। किसने भला किया, किसने बुरा किया, किसने नहीं किया, किसने अच्छा काम नहीं किया। इस तरह उनके मन में दूसरों का कामकाज हावी रहता है, सिर्फ दूसरों के दोषों का लेखा-जोखा रखते हैं।

यही नहीं दूसरे के दोष, गलती को बढ़ा-चढ़ाकर बताने में भी रस आता है। उन्हें दूसरे सभी गलत, झूठे, निठल्ले नजर आते हैं। उन्हें स्वयं को छोड़कर सारे जगत की चिंता रहती है कि कौन क्या कर रहा है और मौका मिलते ही उनको लोगों को गिनाऊं।

जो व्यक्ति दूसरों के कार्य या दोष पर ध्यान देता है उसे खुद के दोष नजर नहीं आते हैं या छोटे करके देखता है। यदि कोई भूल हो जाए तो उसकी मजबूरी के सौ कारण गिना देते हैं। ऐसे लोग जब तक दूसरों की पंचायती नहीं करते हैं इनका खाना हजम नहीं होता है, चैन नहीं मिलता।

भगवान बुद्ध कहते है, दूसरों के दोष पर ध्यान मत दो। ऐसे व्यक्ति को कुछ हासिल नहीं होता है। दूसरों का विरोध, आलोचना, प्रतिक्रिया करने वाले की सुख शांति खो जाती है उसका नजरिया नकारात्मक हो जाता है, पतन की ओर गिर जाता है। दूसरे के कृत-अकृत को किए हुएतथा न किए हुए को देखना भी ध्यान साधना में बाधक है। चित्त का बहिर्मुखी स्वभाव दुखदायी है, हमें अंतर्मुखी होना चाहिए।

तथागत कहते हैं, दूसरों के कृत्य-अकृत्य को मत देखो, केवल अपने कृत-अकृत्य को देखो, अवलोकन करो। केवल दृष्टा भाव से देखो, कर्ता भाव से नहीं। जैसा है वैसा ही देखो। अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं, कोई निर्णय नहीं देना है।

भगवान आगे कहते है- मनुष्य को चाहिए कि वह यह देखे कि उसने क्या किया और क्या नहीं किया। हमारे मन में जमे हुए विकारों के मैल को कितना साफ किया और कितना बाकी है, स्वयं को चित्त को शुरू कर शांति के मार्ग पर कहां तक पहुंचे और कितना बाकी है। यदि व्यक्ति स्वयं सुखी होगा तो इसका असर परिवार और पूरे समाज पर पड़ेगा. अतः व्यक्ति स्वयं के कार्यों को देखे और अधिकतर या सभी ऐसा करे तो संपूर्ण मानव समाज का कल्याण हो सकता है।

सबका मंगल हो सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति:डॉ एम एल परिहार, जयपुर

प्रेरणादायक कहानी

अकबर बीरबल और जादुई गधे की कहानी

एक समय की बात है, बादशाह अकबर ने अपने बेगम के जन्मदिन के लिए बहुत ही खूबसूरत और बेशकीमती हार बनवाया था। जब जन्मदिन आया, तो बादशाह अकबर ने वह हार अपनी बेगम को तोहफे में दे दिया, जो उनकी बेगम को बहुत पसंद आया। अगली रात बेगम साहिबा ने वह हार गले से उतारकर एक संदूक में रख दिया। जब इस बात को कई दिन गुजर गए, तो एक दिन बेगम साहिबा ने हार पहने के लिए संदूक खोला, लेकिन हार कहीं नहीं मिला। इससे वह बहुत उदास हो गईं और इस बारे में बादशाह अकबर को बताया। इस बारे में पता चलते ही बादशाह अकबर ने अपने सैनिकों को हार ढूंढने का आदेश दिया, लेकिन हार कहीं नहीं मिला। इससे अकबर को यकीन हो गया कि बेगम का हार चोरी हो गया है।

फिर अकबर ने बीरबल को महल में आने के लिए बुलावा भेजा। जब बीरबल आया, तो अकबर ने सारी बात बताई और हार को खोज निकालने की जिम्मेदारी उसे सौंप दी। बीरबल ने समय व्यर्थ किए बिना ही राजमहल में काम करने वाले सभी लोगों को दरबार में आने के लिए संदेश भिजवाया। थोड़े ही देर में दरबार लग गया। दरबार में अकबर और बेगम सहित सभी काम करने वाले हाजिर थे, लेकिन बीरबल दरबार में नहीं था। सभी बीरबल का इंतजार कर ही रहे थे कि तभी बीरबल एक गधा लेकर राज दरबार में पहुंच जाता है। देर से दरबार में आने के लिए बीरबल बादशाह अकबर से माफी मांगता है। सभी सोचने लगते हैं कि बीरबल गधे को लेकर राज दरबार में क्यों आया है। फिर बीरबल बताता है कि यह गधा उसका दोस्त है और उसके पास जादुई शक्ति है। यह शाही हार चुराने वाले का नाम बता सकता है।

इसके बाद बीरबल जादुई गधे को सबसे नजदीक वाले कमरे में ले जाकर बांध देता है और कहता है कि सभी एक-एक करके कमरे में जाएं और गधे की पूंछ पकड़कर चिल्लाए 'जहांपनाह मैंने चोरी नहीं की है।' साथ ही बीरबल कहता है कि आप सभी की आवाज दरबार तक आनी चाहिए। सभी के पूंछ पकड़कर चिल्लाने के बाद आखिर में गधा बताएगा कि चोरी किसने की है।

फिर बीरबल सभी काम करने वालों के पास जाकर उन्हें दोनों हाथ सामने करने को बोलता है और एक-एक करके सभी के हाथ सूंघने लगता है। बीरबल की इस हरकत को देखकर सभी हैरान हो जाते हैं। ऐसे ही सूंघते-सूंघते एक काम करने वाले का हाथ पकड़कर बीरबल जोर से बोलता है, जहांपनाह इसने चोरी की है। ये सुनकर अकबर बीरबल से कहते हैं, तुम इतने यकीन के साथ कैसे कह सकते हो कि

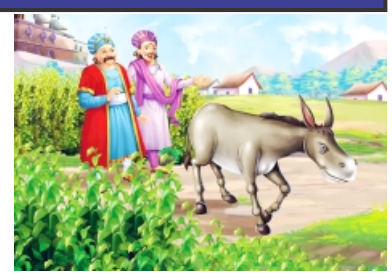

चोरी इस सेवक ने ही की है। क्या तुम्हें जादुई गधे ने इसका नाम बताया है।

तब बीरबल बोलता है, 'जहांपनाह यह गधा जादुई नहीं है। यह बाकी गधों की तरह साधारण ही है। बस मैंने इस गधे की पूंछ पर एक खास तरह का इत्र लगाया है। सभी सेवकों ने गधे की पूंछ को पकड़ा, बस इस चोर को छोड़कर। इसलिए, इसके हाथ से इत्र की खुशबू नहीं आ रही है।

फिर चोर को पकड़ लिया गया और उससे चोरी के सभी सामान के साथ ही बेगम का हार भी बरामद कर लिया गया। बीरबल की इस अक्लमंदी की सभी ने सराहना की और बेगम ने खुश होकर बादशाह अकबर से उसे उपहार भी दिलवाया।

कहानी से सीख

इस कहानी से यह सीख मिलती है कि बुरे काम को कितना भी छुपाने की कोशिश करो, एक दिन सबको पता चल ही जाता है। इसलिए, बुरे काम नहीं करने चाहिए।

दीपावली पर्व पर अवैध शराब बेचने वालों पर जिला पुलिस ने कसा शिकंजा

एक साथ सर्च अभियान चलाकर अलग-अलग स्थान से 17 तस्करों को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, जिला पानीपत पुलिस ने पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक श्री अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर शिकंजा कसा। जिला पुलिस ने 11 नवम्बर शनिवार को एक साथ सर्च अभियान चलाकर अलग-अलग स्थान से 17 तस्करों को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया। आरोपियों से कुल 269 बोतल देसी शराब, 14 बोतल अंग्रेजी शराब व 34 बोतल बीयर बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाना में एक्साइज एक्ट के तहत 17 अभियोग दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई।

जिला पुलिस प्रवक्ता अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक श्री अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा शराब का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्री अजीत सिंह शेखावत ने इसके लिए जिला के सभी थाना प्रबंधक व चौकी इंचार्जों को विशेष रूप से निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने जिला वासियों से अपील की है कि उनके क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस के अवैध रूप से शराब का भंडारण करता है या बेचने का अवैध धंधा करता है तो इसकी तुरंत सूचना डायल 112 या अपने संबंधित थाना, चौकी में दे। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गोपनीय रखा जाएगा। जिला पुलिस का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

थाना माडल टाउन पुलिस ने शनिवार को अभियान के तहत मिली गुप्त सूचना पर दबिश देकर राज नगर में दुकान के बाहर अवैध रूप से शराब बेच रहे सियाराम पुत्र कृष्ण निवासी खांडा जीन्द हाल राज नगर को 24 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना माडल टाउन की आठ मरला चौकी पुलिस टीम ने गोहाना रोड पर धर्म काटे के पास लकड़ी के खोखे में अवैध रूप से शराब बेच रहे सिंटू पुत्र कृष्ण निवासी संजय कालोनी को 12 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना सदर पुलिस ने गांव छोटी रजापुर में घर में शराब बेच रहे गोपाल पुत्र आडूराम को 15 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना मतलौडा पुलिस ने उरलाना कला गांव में प्लाट में अवैध रूप से शराब बेच रहे कुलदीप पुत्र सुभाष निवासी उरलाना कला को 10 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना इसराना पुलिस टीम ने गांव डाहर में परचून की दुकान में अवैध रूप से शराब बेच रहे विजय पुत्र मामन निवासी डाहर को 20 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। सीआईए श्री पुलिस टीम ने जाटल रोड पर फ्लाई ओवर पुल के नीचे दुकान के बाहर अवैध रूप से शराब बेच रहे सिद्धार्थ पुत्र प्रदीप निवासी गांधी कालोनी को 40 पव्वे देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना किला पुलिस टीम ने वार्ड नंबर 11 में सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब बेच रहे गौरव पुत्र जगदीश निवासी गुड़ मंडी धारीवाल चौक को 10 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना सनौली पुलिस टीम ने धनसौली से सनौली कला रोड पर अवैध रूप से शराब बेच रहे गुलाब पुत्र इंद्र निवासी धनसौली को 9 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना समालखा पुलिस टीम ने इंडस्ट्रियल एरिया में दुकान के बाहर अवैध रूप से शराब बेच रहे अनिल पुत्र मनोहर निवासी नारायणा को 11 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना सेक्टर 13/17 पुलिस टीम ने फरीदपुर रोड पर लोहे के खोखे में अवैध रूप से शराब बेच रहे योगेन्द्र पुत्र बदन सिंह निवासी भारतपुर मैनपुरी यूपी को 25 बोतल, 45 अध्धे, 62 पव्वे अवैध देसी शराब,4 बोतल,5 अध्धे, 33 पव्वे अंग्रेजी शराब व 34 बोतल बीयर सहित गिरफ्तार किया। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस टीम ने सिवाह से डाडोला रोड पर दुकान में अवैध रूप से शराब बेच रहे प्रेम प्रकाश पुत्र दुलारे निवासी खाटौरा हरदोई यूपी हाल किरायेदार सिवाह को 11 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना की दूसरी टीम में गोहाना रोड पर रविदास धर्मशाला के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे अरसद पुत्र ताहिर निवासी महाबीर कालोनी को 11 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस की तीसरी टीम ने पसीना रोड पर दुकान में अवैध रूप से शराब बेच रहे विकास पुत्र रमाकांत निवासी रमोल समस्तीपुर बिहार हाल किरायेदार पसीना रोड सिवाह को 40 पव्वे व 2 अध्धे अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना चांदनी बाग पुलिस टीम ने उझा रोड पर गैस गोदाम के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे अशोक पुत्र नौरंग निवासी सैनी कालोनी को 9 बोतल, 2 अध्धे, 32 पव्वे अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। थाना चांदनी बाग पुलिस की दूसरी टीम ने नलवा कालोनी में अवैध रूप से शराब बेच रहे जगदीश पुत्र टेकराम निवासी साई कालोनी को 6 बोतल, 10 अध्धे अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना चांदनी बाग पुलिस की तीसरी टीम ने कृष्णा गार्डन के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे अमित पुत्र महिपाल निवासी जलालपुर को 8 बौतल 4 अध्धे अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना पुराना औद्योगिक पुलिस टीम ने अवैध रूप से शराब बेच रहे भोला पुत्र सिया निवासी हरिनगर को 13 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार किया।

सोमनाथ गर्ग बने सती माता मंदिर कमेटी के प्रधान

गजब हरियाणा न्यूज

रतिया, पंजाबा मल सती माता मंदिर कमेटी की एक वार्षिक बैठक सोमवार को सती माता मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई ।इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कमेटी के प्रधान सोमनाथ गर्ग ने पिछले वर्ष का लेखा-जोखा पेश किया। वह मंदिर में करवाए गए कार्यों का उल्लेख किया ।बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रधान सोमनाथ गर्ग के प्रधान पद के कार्यकाल की भरी भूरी प्रसंशा की। सोमनाथ गर्ग की कार्यशैली को देखते हुए सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से आगामी 2 वर्षों के लिए सोमनाथ गर्ग को फिर से सती माता मंदिर कमेटी का प्रधान नियुक्त किया। सोमनाथ गर्ग को तीसरी बार सती माता मंदिर कमेटी का प्रधान पद की जिम्मेवारी देते हुए सभी सदस्यों ने सोमनाथ गर्ग का स्वागत किया ।अपनी इस नियुक्ति पर प्रधान सोमनाथ गर्ग ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद किया। प्रधान सोमनाथ गर्ग ने कहा कि आपने मुझे फिर से जो सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी है ।मैं इसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा ।उन्होंने कहा कि आप सभी साथियों के सहयोग से ही सती माता मंदिर के लिए किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी ।इस अवसर पर अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष अशोक गर्ग ,संजय मोदी, राजेश गर्ग, एडवोकेट विक्की गर्ग, केवल गर्ग, सुनील गर्ग ,राजेश गर्ग,प्रेम बंसल,विनोद मोदी,

कैलाश गर्ग,राजकुमार गर्ग ,जैकी गर्ग ,बिल्लू गर्ग ,राजेश गर्ग काला,सहित पंजाबा मल परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

राजकीय राजमार्ग पर होल्डिंग लगाना बंद करें: अंतिल

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, डीटीपी सुनील आंतिल ने अवैध रूप से होर्डिंग्स लगाने वाली सभी कम्पनियों, व्यक्तियों को चेतावनी दी है कि वे अवैध रूप से होर्डिंग्स लगाना बंद करें। जिला पानीपत में विभाग द्वारा घोषित नियंत्रित क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले रोड राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग / अनुसूचित मार्गों के साथ लगती भूमि पर वर्जित / हरित पट्टी पर अवैध रूप से होर्डिंग बोर्ड, पोस्टर, बैनर आदि का विज्ञापन करने का मामला इस विभाग के संज्ञान में आया है, जोकि कानूनन अवैध है।

उन्होंने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय पंजाब एण्ड हरियाणा, चण्डीगढ़ के आदेशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग एवं अनुसूचित मार्गों के साथ लगती वर्जित भूमि से उपरोक्त होंडिंग बोर्ड, पोस्टर, बैनर आदि को हटाने का कष्ट करें, अन्यथा विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही अम्ल में लाते हुए इन्हें उक्त स्थल से हटा दिया जायेगा तथा इनको हटाने पर आने वाले खर्चे की भरपाई सम्बन्धित से राजस्व के रूप में विभाग द्वारा वसूली की जायेगी।

पिहोवा ड्रेन पुल बना हल्का वासियों के लिए परेशानियों का सबब: राठी

गजब हरियाणा न्यूज

पिहोवा, जगदीश राठी ने अनाज मंडी पिहोवा में बात करते हुए कहा कि पिहोवा ड्रेन पुल कई महीनों से हल्का वासियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। प्रशासन तथा मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा पुल बनाने के वादे तो बहुत बार किए गए लेकिन पिहोवा की रीढ़ की हड्डी माना जाने वाला यह पुल आज भी अपनी ख़स्ता हालत के आंसू बहा रहा है ड्रेन के अंदर आवागमन के लिए बना टेम्पररी पुल भी संकरा एवम् तंग है जिससे साधनों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है जिसके कारण हररोज़ जाम लगा रहता है और चीका जाने वाला रास्ता भी प्रभावित होता है यही हाल पिहोवा बस स्टैंड का भी है बस स्टैंड को शहर के अंदर से बाहर बाई पास पर ले जाने की घोषणाएँ तो कई बार हो चुकी हैं जो सिर्फ़ घोषणाएँ ही बनकर रह गई है हक़ीक़त में कुछ भी नहीं ।बस स्टैंड शहर के अंदर होने के कारण कैथल, कुरुक्षेत्र और अंबाला रोड़ तीनों मुख्य सड़कों पर लंबे लंबे जाम लगने से यात्रियों और हल्का वासिओं को अपने गंतव्य तक पहुँचने में कठिनाई व देरी होती है आए दिन कोई न कोई दुर्घटना भी होती रहती है इसके साथ साथ चुनाव के समय में हर गाँव व शहर में स्टेडियम बनाने की घोषणा तो हुई लेकिन अभी गाँव तो दूर की बात शहर तक की भी सुध नहीं ली गई। चुनाव के समय में शहर में बुजुर्गों और बच्चों के लिए पार्क की घोषणा भी हुई जो सिर्फ़ अख़बार की सुर्ख़ियों तक ही सीमित रह गई ।प्रदेश और केंद्र की इस जुमलेबाज़ सरकार को 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता जड़ से उखाड़ने का काम करेगी और केंद्र व प्रदेश में कांग्रेस जनता के आशीर्वाद से जीत का परचम लहराएगी। हरियाणा की जनता इस इंतज़ार में बैठी है कि कब चुनाव आए और प्रदेश में चौधरी

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में एक सशक्त एवम् स्थिर सरकार बने जिसका पिछले कार्यकाल की भाँति हर वर्ग को लाभ मिले।

जिले में युवा महोत्सव 17 व 18 नवम्बर को डीएवी कॉलेज में होगा आयोजित: डीसी कैप्टन मनोज कुमार

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि बिना प्रतियोगिता श्रेणी में राज्य से लुप्त हो रही विभिन्न लोक कला, लोक नृत्य और लोक संगीत को जीवित रखने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा राज्य स्तरीय युवा उत्सव मनाया जाना है, इसी कड़ी में जिला स्तर पर 30वां जिला युवा महोत्सव डीएवी कॉलेज में 17 व 18 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि खेल एवं युवा मामले भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर युवा महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला स्तर पर भी जिला युवा महोत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव के तहत प्रत्येक जिले में 750 रुपये से 15 हजार रुपये तक के 48 पुरस्कार विजेता प्रतिभागियों को दिए जाएगे।

उपायुक्त ने बताया कि जिला युवा महोत्सव 2023 के लिए प्रतिभागी की आयु 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रतिभागी के पास परिवार पहचान पत्र होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में समूह लोक नृत्य, समूह लोक गीत, एकल लोक नृत्य, एकल लोक गीत, कहानी लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण, फोटोग्राफी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि समाज के लिए विज्ञान के माध्यम से मिलेटस उत्पादन में सुधार के विषय पर प्रतियोगिता होगी।

सरकार द्वारा अधिकृत एजेंट के माध्यम से ही जाएं विदेश: डीसी प्रशांत पंवार

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल, डीसी प्रशांत पंवार ने विशेषकर युवाओं का आह्वान किया है कि वे शिक्षा, रोजगार व अन्य उद्देश्यों के लिए विदेश भेजने का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी करने वाले अनाधिकृत एजेंट या एजेंसियों से सावधान रहें। विदेश जाने के लिए अच्छी तरह से पूछताछ कर लें। सरकार द्वारा अधिकृत या मान्यता प्राप्त एजेंट के माध्यम से ही विदेश जाएं। मान्यता प्राप्त एजेंटों की सूची सरकार की वेबसाईट ईमीग्रेट डॉट जीओवी डॉट ईन पर उपलब्ध है।

डीसी प्रशांत पंवार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के गृह विभाग द्वारा विदेशों में बच्चों को रोजगार, पढ़ाई आदि के लिए भेजने हेतू कंपनियों को अधिकृत किया गया है। व्यक्ति अपने बच्चों को विदेशों में भेजते हैं, तो सरकार द्वारा अधिकृत एजेंटों के माध्यम से ही भेजे ताकि उनके साथ किसी भी तरह की धोखेबाजी न हो। प्राय- देखने में आता है कि नकली व अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा विदेश भेजने के नाम पर लोगों से पैसे ठग लिए जाते हैं। ऐसे नकली या अनाधिकृत एजेंट अपना झूठा प्रसार-प्रसार भी करते हैं, जिससे लोग उनके विश्वास में आ जाते हैं। आमजन उनके झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई, अन्य संपत्ति या गहने इत्यादि गंवा बैठते हैं। इसलिए ऐसे कबूतरबाज

ट्रैवल एजेंट व एजेंसियों से सावधान रहें और सरकार द्वारा अधिकृत ट्रैवल एजेंट एवं एजेंसियों के माध्यम से ही विदेश जाएं।

दीपावली केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी है : डा. श्रीप्रकाश मिश्र

मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा दीपावली के पर्व एक आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, दीपावली के उपलक्ष्य में मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यर्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चैतन्य कैरियर कंसलटेंटस प्रा. लि. आयोजित अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए मातृभूमि शिक्षा मंदिर के बच्चों को कम्प्यूटर एवं स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मातृभूमि शिक्षा मंदिर के बच्चों ने देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा दीपावली एक लौकिक पर्व ही नहीं, आध्यात्मिक पर्व है। दीपावली केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी है। हम भीतर में धर्म का दीप जलाकर मोह, माया, लोक और मूर्च्छा के अंधकार को दूर करे, मन को मांजें एवं आत्मा को उजाले तभी दीपावली मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। दीपावली के पर्व पर यदि हम सब अपनी आंतरिक चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ करने एवं उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास करे तो आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर हम शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त कर सकते है।

डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा हमारे भीतर अज्ञान का तमस छाया हुआ है। वह ज्ञान के प्रकाश से ही मिट सकता है। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वत: समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई समस्त समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, कोरोना महाव्याधि, भ्रष्टाचार, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। इन सभी समस्याओ का हल तब तक नहीं हो सकता जब तक मनुष्य अनावश्यक हिंसा को छोड़ने का प्रण नहीं करता। हम सबको अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना ही होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा जीवन का वास्तविक उजाला लिबास नहीं है, बल्कि नैतिक एवं चारित्रिक गुण हैं। वास्तविक उजाला तो मनुष्य में व्याप्त उसके आत्मिक गुणों के माध्यम से ही प्रकट हो सकता है। जीवन की सार्थकता और उसके उजालों का मूल आधार व्यक्ति के वे गुण हैं जो उसे मानवीय बनाते हैं, जिन्हें संवेदना और करुणा के रूप में, दया, सेवा-भावना, परोपकार के रूप में हम देखते हैं। वास्तव में यही गुणवत्ता उजालों की बुनियाद है, नींव हैं जिस पर खड़े होकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बनाता है। जिनमें इन गुणों की उपस्थिति होती है उनकी गरिमा चिरंजीवी रहती है। समाज में उजाला फैलाने के लिये इंसान के अंदर इंसानियत होना जरूरी है। जिस तरह दीप से दीप जलता है, वैसे ही प्यार देने से प्यार बढ़ता है और समाज में प्यार और इंसानियत रूपी उजालों की आज बहुत जरूरत है।दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। कार्यक्रम में चैतन्य कैरियर कंसलटेंटस प्रा. लि. के राहुल वर्मा, हरदीप सिंह, अमित एवं सुश्री रॉयल एवं मातृभूमि सेवा मिशन के गौरव बतान, धर्मपाल सैनी, डा. राजीव क्षात्रा सहित अनेक गणमान्य जनों की गरिमामई उपस्थिति रही।

ग्राम विकास से स्वराज की अवधारणा को साकार कर रही मनोहर सरकार

राज्य सरकार ने ग्राम विकास की दिशा में किया अभूतपूर्व कार्य

6260 गांवों में लाल डोरे के भीतर 25.17 लाख प्रॉपर्टी कार्ड बनाये गए

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2014 से लगातार महात्मा गांधी के ग्राम्य विकास के बिना स्वराज की कल्पना नहीं की जा सकती के मूलमंत्र पर चलते हुए ग्राम विकास की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया गया है। इससे न केवल गांवों में विकास की तस्वीर बदली है बल्कि शहरों जैसी सुविधाएं मिली हैं। लाल डोरा खत्म करने के लिए आरंभ की गई स्वामित्व योजना भी लोगों को खूब रास आ रही है। जिन मकानों में लोग वर्षों से रह रहे हैं, लेकिन उनके कभी मालिक नहीं बन पाए, आज मनोहर सरकार ने उन्हें 80 रुपये में रजिस्ट्री देकर मकानों का मालिकाना हक दिया है।

जब मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने इस योजना की परिकल्पना की थी तो किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस योजना को पूरे देश में लागू करने की घोषणा कर सकते हैं। आज प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत हरियाणा के 6260 गांवों में लाल डोरे के भीतर 25.17 लाख प्रॉपर्टी कार्ड बनाये गए हैं।

ग्राम पंचायतों को किया सशक्त

गांवों को विकसित करने और विकास कार्यों में तेजी लाने हेतु मुख्यमंत्री ने शक्तियों का विकेंद्रीकरण करने का निर्णय लिया। राज्य सरकार ने ग्रामीण आंचल के गतिशील विकास हेतु पंचायती राज संस्थाओं का सशक्तिकरण करते हुए पंचायतों को स्वायत्ता प्रदान की ताकि वे अपने स्तर पर ही विकास कार्य करवा सकें। इसके लिए पंचायतों को प्रशासनिक व वित्तीय शक्तियां प्रदान की गई। साथ ही, सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग-ए को 8 प्रतिशत आरक्षण दिया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने अंतर जिला परिषद का गठन कर पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद को विभिन्न प्रकार के छोटे विकास कार्य करने के लिए अधिकृत किया है। बड़ी परियोजनाएं मुख्यालय स्तर पर सरकार द्वारा की जा रही हैं।

ग्राम सचिवालयों को किया सुदृढ, आईटी सुविधाएं भी दी

मुख्यमंत्री ने ई-गवर्नेंस की अवधारणा को मुख्यालय व जिला सचिवालयों में लागू करने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में साकार करने की परिकल्पना के तहत गांवों में सचिवालय स्वरूप ग्राम सचिवालय स्थापित करने की पहल की। अब तक 1856 ग्राम सचिवालय खोले जा चुके हैं और शेष की प्रक्रिया जारी है। इन ग्राम सचिवालयों में पटवारी, पंचायत सचिव, सरपंच इत्यादि के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, इनमें अटल सेवा केंद्र भी खोले गए हैं, ताकि गांवों के लोग सरकार की ऑनलाइन सुविधाओं का लाभ एक ही छत के नीचे प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री की इस सोच की ग्रामीण खुले मन से प्रशंसा कर रहे हैं कि उन्हें तहसील व जिला मुख्यालयों के कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिली है। इसका जिक्र मुख्यमंत्री के जन संवाद कार्यक्रमों में भी लोग कर रहे हैं।

पंच से जिला परिषद के अध्यक्ष तक का मानदेय बढ़ाकर मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों का किया है सम्मान

मुख्यमंत्री का मानना है कि छोटी सरकारों के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का प्रतिदिन विधायक, सांसदों व मंत्रियों की तरह जनता से मिलना होता है और कभी -कभी आयोजन भी अपने स्तर पर करना होता है। प्रतिदिन की इस खर्च की प्रतिपूर्ति करने के लिए मुख्यमंत्री ने पंच से लेकर जिला परिषद के अध्यक्षों के मासिक मानदेय में अभूतपूर्व वृद्धि की है। अब पंचों को 1600 रुपये, सरपंचों को 5,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है।

मुख्यमंत्री ने जिला परिषद के अध्यक्षों का मानदेय 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये, उपाध्यक्ष का मानदेय 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये और सदस्यों का मानदेय 3,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये किया है। इसके अलावा, पंचायत समिति के अध्यक्षों का मानदेय 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये, उपाध्यक्ष का मानदेय 3,500 रुपये से बढ़ाकर 7,000 रुपये तथा सदस्यों का मानदेय 1,600 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किया है।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों व चौकीदारों का भी रखा ख्याल

मुख्यमंत्री ने पंचायती राज संस्थानों के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ ग्रामीण सफाई कर्मचारियों व गांवों व प्रशासन के सबसे भरोसेमंद व्यक्ति ग्रामीण चौकीदारों का भी ख्याल रखा है। वर्तमान राज्य सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का मानदेय 15,000 रुपये प्रतिमाह किया है, जो 2014 में 8,100 रुपये था। इसी प्रकार, ग्रामीण चौकीदारों का भी 3,500 रुपये से बढ़ाकर 11,000 रुपये प्रतिमाह किया है। इतना ही नहीं, गांवों के नम्बरदारों का भी मासिक मानदेय बढ़ाकर 3,000 रुपये किया है। इसके अलावा, मनरेगा मजदूरों की प्रतिदिन मजदूरी भी बढ़ाकर 357 रुपये की है।

हरियाणा सरकार ने विगत 9 वर्षों में लगातार ग्रामीण विकास पर विशेष फोकस किया है, जिसका परिणाम अब दिखाई दे रहा है। गांवों में सफाई व्यवस्था व जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामुदायिक केंद्र और पार्क एवं व्यायामशालाओं की स्थापना कर ग्राम्य जीवन की रूपरेखा में नया बदलाव आया है। ग्राम विकास के माध्यम से ही स्वराज की अवधारणा को साकार किया जा सकता है, इस मूलमंत्र के साथ राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी गिरफ्तार, 1800 रुपये बरामद

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस कुरुक्षेत्र की टीम ने सट्टा खाईवाली करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना कृष्णा गेट पुलिस की टीम ने सट्टा खाईवाली करने के आरोप में कर्ण पुत्र संजय कुमार वासी चक्रवर्ती मोहल्ला कुरुक्षेत्र को काबू करके उसके कब्जा से 1800 रुपये बरामद करके गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिनांक 13 नवम्बर 2023 को थाना कृष्णा गेट के अंतर्गत सुभाष मंडी चौंकी के सहायक उप निरीक्षक जसबीर सिंह, सुनील कुमार की टीम सन्निहत सरोवर एरिया में गस्त पर थी। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर जगह सरेआम सन्निहत सरोवर के पास पार्क पर सट्टा खाईवाली करने के आरोप में कर्ण पुत्र संजय कुमार वासी चक्रवर्ती मोहल्ला कुरुक्षेत्र को काबू किया। आरोपी से 1800 रुपये बरामद किये गए। आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत थाना कृष्णा गेट थानेसर में मामला दर्ज करके सहायक उप निरीक्षक नरेश कुमार ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय के निर्देशानुसार जमानत पर रिहा कर दिया।

गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने अपने पैतृक गाँव में परिवार संग मनाई दीपावली : डॉ नवीन नैन भालसी

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत,अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के हरियाणा संयोजक डॉ नवीन नैन भालसी ने बताया कि मेरे अज़ीज़ लाड़ले छोटे भाई नीरज चोपड़ा ने परिवार संग बच्चों के साथ दीपावली का पावन पर्व मनाया।

इस दौरान डॉ नवीन नैन भालसी ने बताया कि देश ओर दुनिया में भारतवर्ष का नाम रोशन कर पानीपत को भी विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का काम नीरज चोपड़ा ने किया है।

इस दौरान डॉ नवीन नैन भालसी ने बताया कि नीरज भाई अब आने वाले ओलंपिक खेलों के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे है, और आज के समय में युवाओं की पहली पसंद रॉल मॉडल के रूप में नीरज चोपड़ा बने हुए है।

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे पानीपत जोरदार स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी ज़ाकिर हुसैन पंहुचे दरगाह बू अली शा सूफी संवाद महा अभियान से पहले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा वक्फ़ बोर्ड के प्रशासक चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक व अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारी दरगाह बू अली शाह, पानीपत पंहुचें। वहाँ पंहुचनें पर दरगाह प्रबंधन कमेटी ने सभी अतिथियों का गुलदस्ता व पगड़ी बाँधकर स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रफाकत हसन भी साथ रहे।

यमुना सुधार समिति ने सनौली खुर्द मदरसे के बच्चों संग मनाया दीपावली का त्यौहार

भारत में मनाए जाने वाले हर त्यौहार को एक दुसरे के साथ प्यार-प्रेम के साथ मनाएं: रत्नसिहं

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, सनौली खुर्द गांव की मस्जिद में यमुना सुधार समिति की और से दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मदरसे में पढ़ने वालें बच्चों को मिठाईयां भी बांटी गई। यमुना सुधार समिति के प्रदेशाध्यक्ष अधिवक्त रत्नसिहं रावल ने कहा कि हिंदुस्तान के अंदर हर भारतीय एक दुसरे का मान-सम्मान करता है। दीपावली का त्यौहार खुशियों को त्यौहार है, इससे हमें एक दुसरे के साथ मिलकर मनाना चाहिए और मिठाइयां खानी चाहिए। रावल ने कहा कि भारत के अंदर रहने वाले हर भारतीय का कर्तव्य है कि वो भारत में मनाए जाने वाले हर त्यौहार को एक दुसरे के साथ प्यार-प्रेम के साथ मनाएं। एक दुसरे के साथ मिलकर त्योहार मनाने से आपसी प्यार प्रेम व एकता की भावना भी बढ़ती है।

डीएलएसए के विशेष वाहन ने विभिन्न गांव में आमजन को दी कानूनी सहायता की जानकारी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि हालसा के आदेशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार हरियाणा स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी का विशेष वाहन जिला कुरुक्षेत्र में गांव-गांव जाकर आमजन को डीएलएसए की योजनाओं और कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देकर जागरूक कर रहा है। यह विशेष वाहन 30 नवंबर तक आमजन को कानूनी जानकारी देकर जागरूक करेगा। इस विशेष वाहन में पैनल के अधिवक्ताओं और पीएलवी की ड्यूटी लगाई गई है। इसी कड़ी में इस विशेष वाहन द्वारा गांव बदरपुर, बन, बनी में जाकर डीएलएसए की निशुल्क कानूनी सहायता व अन्य योजनाओं के बारे में आमजन को विस्तार से जानकारी प्रदान की। इन गांवों में पैनल के अधिवक्ता हरपाल सिंह व पीएलवी जोगिंद्र कौर ने आमजन को जागरुक करने का काम किया।

पंचकूला जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 14, 20 और 28 नवंबर को

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके।

उक्त जानकारी देते हुए बिजली निगम के प्रवक्ता ने बताया कि जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार प्रत्येक मामले में 1 लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों (कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर) के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 14, 20 और 28 नवंबर को जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पंचकूला में उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान बिजली चोरी, बिजली के दुरूप्योग और घातक गैर-घातक दुर्घटना आदि मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा। उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तिय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छह महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है, उपभोक्ता को जमा करवानी होगी।

इस दौरान उपभोक्ता को प्रमाणित करना होगा कि यह मामला अदालत, प्राधिकरण या फोरम के समक्ष पेंडिंग (लंबित) नहीं है क्योंकि इस न्यायालय या फोरम में विचाराधीन मामलों पर बैठक के दौरान विचार नहीं किया जाएगा। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं से अपील करता है कि वे अपनी बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 14, 20 और 28 नवंबर को यूएचबिविएन के मुख्यालय विद्युत सदन इंडस्ट्रियल प्लाट-3 और 4 सेक्टर-14 पंचकूला में प्रात: 11.30 बजे से दोपहर 1.30 तक होने वाली कार्यवाही में सम्मिलित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

राष्ट्र स्तरीय हिंदी नाट्य उत्सव हरियाणा के लिए 24 नवंबर तक करें आवेदन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र, हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा राष्ट्र स्तरीय हिंदी नाट्य उत्सव-2023 का आयोजन करवाया जाएगा जिसके लिए 24 नवंबर 2023 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

विभाग के प्रवक्ता ने इस उत्सव के नियम एवं शर्तों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नाटक हिंदी भाषा में होना अनिवार्य है और इसकी अवधि कम से कम एक घंटा होनी चाहिए। आवेदन में नाटक का पूर्ण विवरण, जिसमे नाटक की विषय-वस्तु, निर्देशक के बारे में, लेखक, नाटक की शैली तथा कुल कलाकारों की संख्या का उल्लेख किया गया हो। उन्होंने आगे बताया कि चयनित नाटकों की छंटनी होने के उपरांत उन्हें दूरभाष या ई-मेल पर सूचित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

गुरु, संगीतकार व शिष्यों को प्रतिमाह मिलेगी 7500, 3750 व 1500 रुपये की छात्रवृत्ति

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला की ओर से महानिदेशक कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के माध्यम से गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना 2023-24 के तहत लुप्त होती विभिन्न विद्याओं जैसे शास्त्रीय एवं लोक संगीत, मार्शल आर्ट, लोक थियेटर एवं दृश्य कला इत्यादि विधा के गुरुओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है।

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला को शास्त्रीय एवं लोक संगीत, मार्शल आर्ट, लोक थियेटर एवं दृश्य कला इत्यादि विधा में निपुण एवं पारंगत प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण देने के लिए आवश्यकता है। आवेदन करने के लिए आयु 50 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए तथा संबंधित क्षेत्र में 20 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने बताया कि गुरु, संगीतकार व शिष्यों को क्रमश: 7500 रुपए, 3750 रुपए व 1500 रुपए प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति भी प्रदान जाएगी। विद्याओं में पारंगत प्रशिक्षक अपना आवेदन नाम, पता एवं दूरभाष नंबर सहित अन्य विवरण महानिदेशक कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा एससीओ नंबर-29 सेक्टर 7-सी मध्य मार्ग चंडीगढ़ भेज सकते हैं ताकि उनका विवरण उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला को भिजवाया जा सके।

राजकीय स्कूल हरिपुर में सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर कुरुक्षेत्र में एक सम्मान समारोह प्रधानाचार्य बलजीत सिंह जास्ट की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें कल्चरल फेस्ट 2023 व ब्लॉक स्तरीय संविधान दिवस के उपलक्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राएं हमेशा ही हर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहते हैं जिसके तहत इस बार भी ब्लॉक स्तरीय संविधान प्रतियोगिताओं में मनप्रीत कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और कल्चरल फेस्ट 2023 में ब्लॉक स्तर पर स्किट प्रतियोगिता में 6 से 8 कक्षा की टीम ने प्रथम स्थान और जिला स्तर पर स्किट प्रतियोगिता में 9 से 12 कक्षा की छात्राओं ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य व अध्यापकों द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य ने सभी अध्यापकों व छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे हमेशा ही अध्यापक गणों के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं जिसके लिए उन्होंने अध्यापकों व छात्र-छात्राओं की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय के अध्यापकों के मार्गदर्शन का फल है कि अध्यापक बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारते रहते हैं और इसलिए हमारे विद्यालय के बच्चे हमेशा हर प्रतियोगिता में कोई ना कोई स्थान प्राप्त अवश्य करते है, जिसके लिए सभी बच्चे, अभिभावक व अध्यापक गण बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर सभी छात्र छात्राएं व अध्यापक गण उपस्थित रहे।

बैटरी चोरी मामले में शामिल तीसरा आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस ने ट्रैक्टर की बैटरी चोरी मामले में शामिल तीसरे आरोपी को किया गिरफ्तार। अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने ट्रैक्टर बैटरी चोरी करने के मामले में शामिल होने के आरोप में गगनदीप उर्फ अमन पुत्र दलेर सिंह वासी गली नम्बर 11 न्यू सरस्वती कालोनी खेडी मारकण्डा कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुये पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 4 मार्च 2023 को रोहित शर्मा पुत्र सतपाल शर्मा वासी नजदीक मीरी पीरी हस्पताल शाहाबाद ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी जीटी रोड शाहबाद में सीमेंट टाईल बनाने की फैक्ट्री है। दिनांक 23 फरवरी 2023 को वह फैक्ट्री में अपना ट्रैक्टर नंबर एचआर-78-3976 सोनालिका-750 खड़ा करके अपने घर चला गया था। जब अगली सुबह वह अपनी फैक्ट्री में आया तो देखा कि उसके ट्रैक्टर की बैटरी को नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गया है। जिसकी शिकायत पर थाना शाहबाद में मामला दर्ज करके जांच पुलिस चौंकी हुड्डा शाहबाद के मुख्य सिपाही रणदीप सिंह को सौंपी गई। उसके बाद मामले की जांच अपराध अन्वेषण शाखा-1 द्वारा की गई। 16 अगस्त 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने ट्रैक्टर बैटरी चोरी के आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र सुखदेव वासी सिरसला जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करके उसके कब्जा से चोरीशुदा ट्रैक्टर बैटरी बरामद की थी। आरोपी को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था। दिनांक 22 अगस्त 2023 को सहायक उप निरीक्षक सुधीर कुमार की टीम ने ट्रैक्टर बैटरी चोरी के मामले में शामिल आरोपी अनिल उर्फ तेली पुत्र मोहन लाल वासी सरस्वती कालोनी खेडी मारकण्डा कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था।

दिनांक 11 नवम्बर 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 के सहायक उप निरीक्षक सुधीर कुमार की टीम ने ट्रैक्टर बैटरी चोरी करने के मामले में शामिल होने के आरोपी गगनदीप उर्फ अमन पुत्र दलेर सिंह वासी न्यू सरस्वती कालोनी खेडी मारकण्डा कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया।

विजयेंद्र कुमार को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा प्रस्तावित हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड का ओएसडी नियुक्त किया गया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़,हरियाणा सरकार ने युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग के प्रधान सचिव और हरियाणा सरस्वती विरासत विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विजयेंद्र कुमार को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा प्रस्तावित हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड का विशेष कार्यकारी अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल द्वारा जारी आदेश अनुसार युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता विभाग इस पहल के लिए प्रारंभिक और प्रारंभिक अभ्यास के लिए प्रशासनिक और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

एक अन्य आदेश में, हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से दो आईएएस और तीन एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति आदेश भी जारी किए हैं। नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे श्री धर्मेंद्र सिंह को सहकारिता विभाग, हरियाणा का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, श्री राहुल मोदी को बहादुरगढ़ का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) नियुक्त किया गया है।

एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति आदेश

सहकारी समितियां, हरियाणा के संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) श्री चंद्रकांत कटारिया को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) रादौर लगाया गया है। इसी प्रकार, सूचना, जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग (नामित) के प्रधान सचिव की ओएसडी सुश्री मोनिका को पीजीआईएमएस, रोहतक की संयुक्त निदेशक (प्रशासन) लगाया गया है और पीजीआईएमएस, रोहतक की संयुक्त निदेशक (प्रशासन) सुश्री मोनिका रानी को सूचना, जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग (नामित) के प्रधान सचिव की ओएसडी लगाया गया है।

प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के ऋण से संबंधित लंबित मामलों का बैंक जल्द करें निपटारा: सेतिया

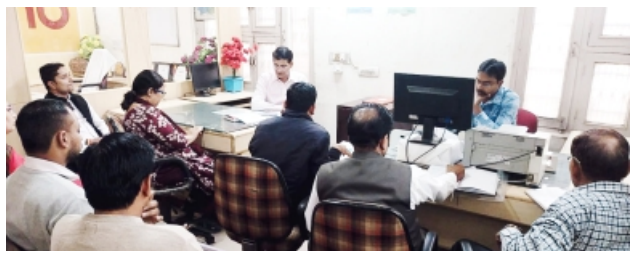

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला नगर आयुक्त पंकज सेतिया ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के लाभार्थियों के बैंकों में लंबित केसों का जल्द से जल्द से निपटान कार्य पूरा किया जाए। इस मामले में बैंक अधिकारी जरा सी भी लापरवाही न बरते। डीएमसी पंकज सेतिया प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना को लेकर बैंक अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले डीएमसी पंकज सेतिया ने एलडीएम राजीव रंजन व अन्य बैंक अधिकारियों से फीडबैक भी ली। डीएमसी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत कुरुक्षेत्र में 520 आवेदन बैंकों के पास पहुंचे है। इनमें से 112 केसों की स्वीकृति दी गई है। इन सभी केसों में बैंक अधिकारी जल्द से जल्द से प्रार्थियों को ऋण की सुविधा उपलब्ध करवाने का काम करेंगे ताकि यह प्रार्थी आर्थिक सहायता लेकर अपना रोजगार स्थापित कर सके।

GAJAB HARYANA
HINDI NEWS PAPER

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber: HAR/HIN/2018/77311